रायपुर, वर्ष-18, अंक- 12, दिसंबर 2022, मूल्य ₹ 10

दीप कमल

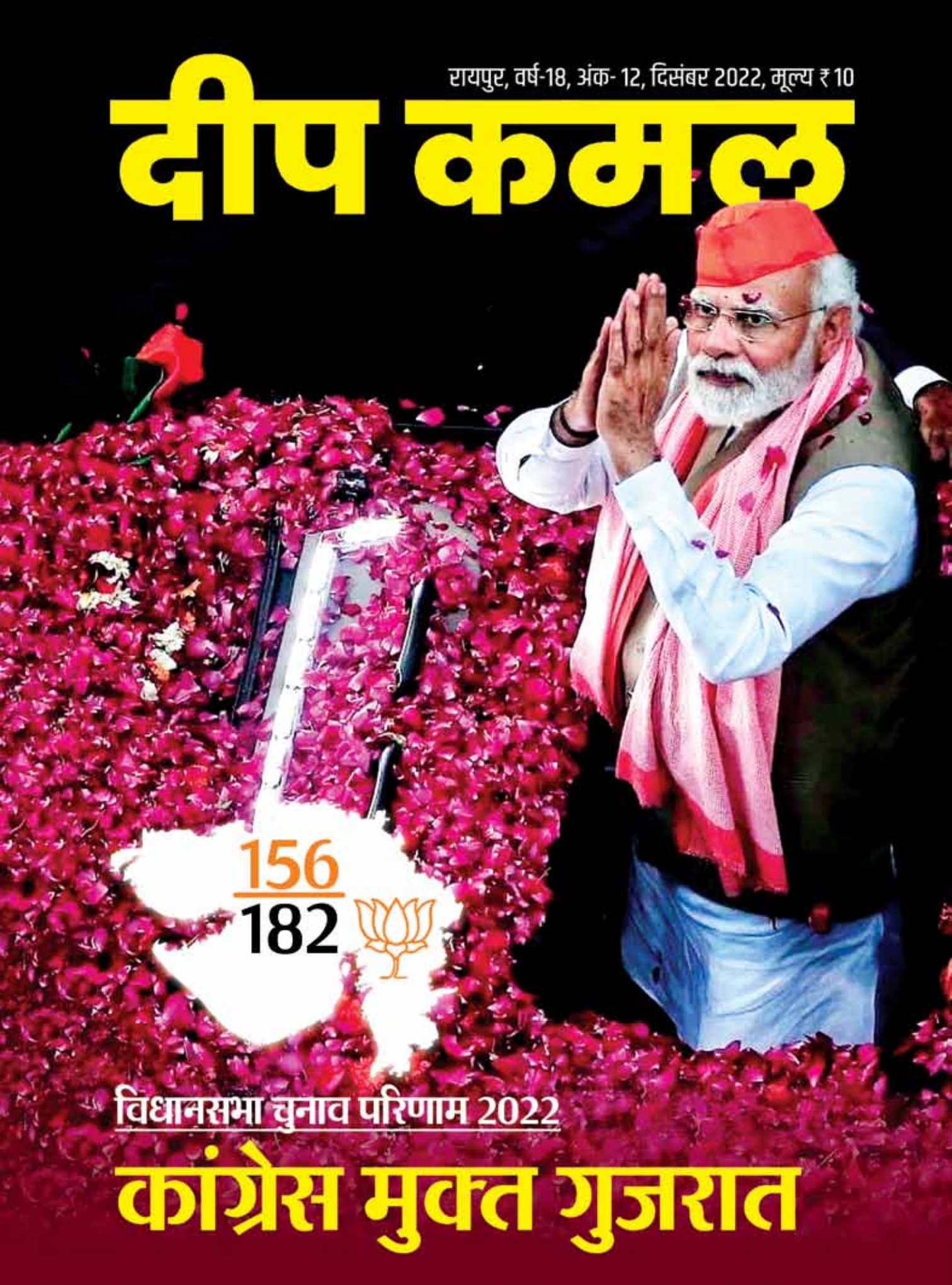

विधानसभा चुनाव परिणाम 2022

कांग्रेस मुक्त गुजरात

प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद श्री अरुण साव, सांसद श्री सुनील सोनी, श्री विजय बघेल, श्रीमती गोमती साय ने प्रदेश से जुड़े जनहित के विषयों पर पर केंद्रीय रेल एवं संचार मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव से चर्चा की।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व मूख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह बिलासपुर लोकसभा के तीन दिवसीय प्रवास के दौरान विशाल सभा को संबोधित किया।

दीप कमल

संपादक
सुभाष राव

कार्यकारी संपादक
पंकज कुमार झा

मुद्रक एवं प्रकाशक विष्णुदेव साय द्वारा, भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़, के लिए मूणत ऑफसेट प्रिंटर्स रायपुर से मुद्रित एवं एकात्म परिसर, रजबंधा मैदान, रायपुर से प्रकाशित।

स्वत्वाधिकारी
भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़

ई-मेल
jay7feb@gmail.com

फोन
0771-2233500, 4266000

सोशल मीडिया से

Narendra Modi @narendramodi
India government offici...

Flagged off the Vande Bharat Express between Nagpur and Bilaspur. Connectivity will be significantly enhanced by this train.

Dr Raman Singh @d... · 43m

जरुरतमंदों के लिए समर्पित केंद्र की मोदी सरकार ने आज #CabinetDecisions में गरीबों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की है

दिसंबर 2023 तक इस योजना को बढाने के लिए लगभग ₹2 लाख करोड़ की राशि शत-प्रतिशत वहन करने के निर्णय पर यशस्वी PM श्री @narendramodi जी का मैं हृदय से आभारी हूँ।

Piyush Goyal @PiyushGoyal

ऐतिहासिक निर्णय!

गरीबों को खाद्य सुरक्षा के लिए अब कोई पैसा नहीं देना होगा। PM @NarendraModi जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार इस पर होने वाले लगभग 2 लाख करोड़ रूपए के खर्च को शत-प्रतिशत वहन करेगी।

#AnnSeAntyoday

Translate Tweet

BJP Chhattisgarh @BJ... · 2h

भूपेश सरकार ह सड़क मरम्मत के नाम म खानापूर्ति करत है। मनखे मन के जान संग कब तक खिलवाड़ करबे भूपेश ??

@bhupeshbaghel

Arun Sao @ArunSao3 · 19h

राजनीति में पक्ष-विपक्ष में वैचारिक वाक युद्ध सदियों से चलता रहा है और ये लोकतंत्र का एक स्वच्छ अध्याय है।

परंतु राजनीतिक कुंठा निकालने विपक्ष के परिवार की महिलाओं पर ऐसी हल्की टिप्पणी किसी भी मुख्यमंत्री द्वारा महिला अपमान के साथ, मुख्यमंत्री पद और लोकतंत्र तीनों का अपमान है।

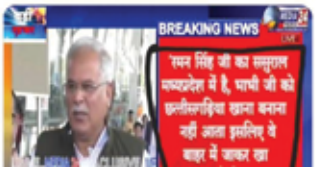

Saroj Pandey @SarojPandeyBJP

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री @bhupeshbaghel के जीवन का मूलमंत्र साहिर लुधियानवी द्वारा लिखा गया यह गीत है।

"बर्बादियों का सोग मनाना फ़ुज़ूल था
बर्बादियों का जश्न मनाता चला गया"

जनता बेहाल है, किसान परेशान है और युवा बदहाल है, पर भूपेश जी विज्ञापनों की गुलाबी दुनिया में मस्त हैं।

भूपेश सरकार के चार वर्ष

चारों तरफ हाहाकार और चीत्कार, झूठी और बेकार कांग्रेस सरकार

एक नीतिश्लोक है– मनस्येकं वचस्येकं कर्मण्येकं महात्मनाम्। मनस्यन्यद् वचस्यन्यत्कर्मण्यन्यद् दुरात्मनाम्। अर्थात महान व्यक्तियों के मन, वाणी में और कर्म में एकरूपता होती है। उसके विपरीत दुर्जनों के, मन में कुछ होता है, वे बोलते कुछ और करते कुछ और हैं। महात्मा और दुरात्मा की, सत्यनिष्ठ और बेईमान की, सदाशयता और दुष्टता की, विनम्र और डींगें हांकने वाले की, सच्चरित्र और अपराधी मनोवृत्ति वाले लोगों के बीच के अंतर को आप इसी आधार पर आंक सकते हैं। महात्मा और दुरात्मा का यह अंतर वास्तव में मानव और दानव के बीच का, देव और असुर के बीच का अंतर है। आप किसी भी व्यक्ति, संस्था या सरकार को भी इसी कसौटी पर रख कर कस सकते हैं, उसका सारा चरित्र आपके सामने होगा जब आप यह परीक्षण कर लें कि संबंधितों ने कहा क्या और उसकी तुलना में किया क्या।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार ने जब अपने कार्यकाल के 4 वर्ष पूरे कर लिए हैं, जब इस अशिष्ट सरकार की उल्टी गिनती प्रारंभ हो गयी है, तब उचित समय है कि उसके कहे गए और किये हुए को सामने रख कर इस पार्टी और सरकार के चरित्र का मूल्यांकन किया जाय। क्योंकि कांग्रेस ने बाकायदा लिखित में अपने वादों की सूची 'जन घोषणा पत्र' के नाम से जारी भी की थी, अतः इसके कहे और किये का सम्यक मूल्यांकन आसान और निर्विवाद रूप से, तटस्थ होकर भी किया जा सकता है। ऐसा मूल्यांकन, जिससे भूपेश गुट के कुछ बच गए कांग्रेसियों के अलावा हर कोई सहमत होगा।

कुछ नमूना देखिये। कांग्रेस ने किसानों को 25 सौ रूपये धान की कीमत देने का वादा किया था जबकि सच्चाई यह है कि धान खरीदी का सारा पैसा केंद्र से आता है। न्याय योजना के नाम पर टुकड़ों में महज चार पैसे देकर कांग्रेस सबसे पहले तो यह झूठ कहती है कि उसी ने सारे पैसे दिए हैं, जबकि सच यह है कि पिछले सत्र में ही 50 हज़ार करोड़ से अधिक की रकम मोदी जी की सरकार ने इस मद में किसानों को दिया है। इन्होंने केवल 10 हजार करोड़ के लगभग भुगतान किया जिसके विरुद्ध अभी तक 1.50 लाख करोड़ से अधिक का कर्ज छत्तीसगढ़ पर चढ़ चुका है, जिसका भुगतान ब्याज समेत प्रदेश के किसानपुत्रों, माटीपुत्रों को ही भविष्य में करना होगा। कुशल आर्थिक प्रबंधन के लिए दुनिया भर में ख्यात रहे छत्तीसगढ़ को केवल एक इसी बहाने कर्ज के ऐसे मकड़जाल में उलझा दिया गया है, जिससे निकल पाना अब कठिन है। वास्तव में कांग्रेस ने एक भरे-पूरे प्रदेश को दीवालिया बना दिया है।

कांग्रेस ने किसानों को 25 सौ रूपये धान की कीमत देने का वादा किया था जबकि सच्चाई यह है कि धान खरीदी का सारा पैसा केंद्र से आता है। न्याय योजना के नाम पर टुकड़ों में महज चार पैसे देकर कांग्रेस सबसे पहले तो यह झूठ कहती है कि उसने सारे पैसे दिए हैं जबकि सच यह है कि पिछले सत्र में ही 50 हज़ार करोड़ से अधिक की रकम मोदी जी की सरकार ने इस मद में किसानों को दिया है।

इसी तरह बात चाहे दो वर्ष का बकाया बोनस देने की

वादा कर किसानों को ठेंगा दिखा देना हो, या किसानों का मंडी टैक्स माफ़ करने का वादा कर यह टैक्स भी दुगना देना हो। या फिर 10 लाख रोजगार देने की बात, 10 लाख बेरोजगारों को प्रति माह 25 सौ रूपये भत्ता देने की बात करने के बाद इससे साफ़ मुकर कर बेरोजगारों का 12 सौ करोड़ से अधिक की रकम अब तक डकार लेने का। चाहे पत्रकार सुरक्षा की बात करके पत्रकारों को बर्बरता से पिटवाने और उन पर सैकड़ों मुकदमें लाद देने का हो या फिर प्रदेश को साम्प्रदायिक दंगे की आग में, धर्मांतरण के कारोबार में लगे लोगों के हाथ में आत्मसमर्पण करा देना का। बात चाहे श्री राम भक्ति का ढोंग कर सीनियर बघेल से श्रीराम के लिए अपमानजनक शब्द कहलाने का हो या प्रदेश में जातिगत विद्वेष पैदा करते रहने का। जर्जर क़ानून व्यवस्था का, शराबबंदी का वादा कर शराब की होम डिलीवरी करने का हो या आरक्षण के नाम पर अपना 'बेशर्म रंग' दुनिया वालों को लगातार दिखाने का। आरक्षण के विरोध में कोर्ट जाने वालों को बड़े-बड़े पद देकर सम्मानित करते हुए लगातार जान बूझ कर आदिवासी, पिछड़ा वर्ग आदि का मुकदमा हारते रहने का... इनके करतूतों और विफलताओं की श्रृंखला अनंत है। लगातार लिखते रहने के बावजूद भी इनकी कारस्तानियों का विवरण ख़त्म नहीं होगा।

ध्यान दीजिये। ये स्थानीयता की बात करते हुए उस भाजपा को कठघरे में खड़ा कर रहे जिसे यह गौरव है कि उसने 'छत्तीसगढ़' राज्य का निर्माण किया है, जिसने छत्तीसगढ़ी महतारी भाषा को राजभाषा के पद पर अधिष्ठित किया। और ये कांग्रेसी? जिसने 50 से अधिक वर्ष तक अवसर मिलने के बावजूद हमेशा छत्तीसगढ़ को बदहाल रखा था और जिसने राज्य और राजभाषा की मांग की हमेशा उपेक्षा की। जिसने दुर्भाग्य से फिर अवसर मिलने पर तीन-तीन 'परदेसियों' को छत्तीसगढ़ियों का अधिकार छीन कर राज्यसभा भेज दिया। जिसने प्रदेश पर लगातार ऋण लादते हुए छत्तीसगढ़ को दस जनपथ का एटीएम बना दिया। जिसने प्रदेश को कुपोषण और एनिमीया के गर्त में धकेल दिया। जिसने शांति और सद्भाव के टापू के रूप में पहचान रखने वाले छत्तीसगढ़ की पहचान को रेत माफिया, कोल माफिया, ट्रांसपोर्ट माफिया, तबादला माफिया, जमीन माफिया, मजहबी माफिया, तस्कर, लुटेरे, भाड़े के हत्यारे, अपहरणकर्ताओं के हाथ में जाने दिया। इनकी क्या और कैसी बात की जाय?

आश्चर्य यह है कि इतना सब करने के बावजूद ये 'छत्तीसगढ़ गौरव दिवस' मना रहे जिसने छत्तीसगढ़ महतारी की पहचान को उपरोक्त वर्णित कृत्यों से कलंकित किया है। समझना मुश्किल है कि क्या कांग्रेस को छत्तीसगढ़ के आदिवासी क्षेत्रों के 25 हज़ार से अधिक बच्चों को चिकित्सा और पोषण के अभाव में मरने देने का गर्व है या प्रदेश की 67 प्रतिशत माओं को एनीमिक बना देने का। इन्हें पिछले 4 साल में दुष्कर्म के 6000 से अधिक दर्ज मामले या 4000 से ज्यादा नाबालिगों के साथ दुष्कर्म, 6000 से ज्यादा युवतियों का अपहरण पर गर्व है? मुख्यमंत्री और उनके सलाहकार के घृणित आरोपों में चार्जशीटेड होने का गर्व है या रोज-रोज हो रहे ईडी-आईटी के छापों पर या एक कनिष्ठ अधिकारी के सुपर सीएम के रूप में काम करने और बेदर्दी से राज्य के संसाधन का लूट और उगाही के आरोप में उसके जेल जाने पर? कांग्रेस के नेताओं द्वारा बलात्कार और अन्य आपराधिक आरोपों में लगातार पकड़े जाने पर गौरव का बोध हो रहा है, या आपसी गैंगवार में कांग्रेसी नेताओं के मारे जाने, तहसीलदार तक के द्वारा कांग्रेसियों की पिटाई पर गर्व है इन्हें?

आप इनका अगौरव बोध गिनते जाइए। इन्हें छत्तीसगढ़ के 16 लाख से अधिक परिवारों को मोदी जी की सरकार द्वारा मिलने वाले पक्के घर को छीन लेने का गौरव है। इन्हें 24 लाख से अधिक घरों तक स्वच्छ जल नहीं पहुंचने देने का अभिमान है, जिसे केंद्र सरकार की योजना से पहुंचना था... आप लिखते चले जायेंगे लेकिन इनके शर्मनाक गौरव का अध्याय समाप्त नहीं होगा। आप शर्मिन्दा होते रहेंगे, ये गाल बजाते रहेंगे, आप छत्तीसगढ़ के अपराधगढ़ हो जाने पर अपना सर पीटते रहेंगे, लेकिन ये डींगें हांकते नजर आयेंगे आपको असम, यूपी से लेकर गुजरात तक के विधानसभा चुनावों में। ये लगे रहेंगे कांग्रेस के अधिकांश उम्मीदवारों की जमानत तक जब्त होने वाले चुनावों में भी छत्तीसगढ़ का समय और संसाधन बर्बाद में करने में। प्रदेश में 600 से अधिक किसान आत्महत्या कर लेंगे, मात्र 4 वर्ष में 20 हज़ार से अधिक छत्तीसगढ़ियों को आत्महत्या करना पड़ेगा लेकिन इनका गौरव बोध जारी रहेगा। ये प्रदेश की गरीब जनता का अरबों रुपया देश भर में लुटा कर इस तरह गौरव मनाते रहेंगे, जैसे रोम जल रहा था और और नीरो वंशी बजा रहा था। बहरहाल।

ये अपनी कुनीतियों का उत्सव अपने समूचे गौरव भाव से कुछ माह और मनाते रहें। लेकिन इनके कथित 'गौरव' से आजिज आ चुकी जनता अब बस इन्हें यही कहने वाली है – बहुत कर लिए सेवा, जतन और दिखाया सरोकार, अब तशरीफ़ ले जाओ अपना भूपेश सरकार! माफ़ कीजिये मिस्टर बघेल, बक्श दीजिये प्रदेश को। आपके बिना ही इस प्रदेश का गौरव हमेशा की तरह मां भारती के कोरा में चमकता रहेगा। छत्तीसगढ़ महतारी वास्तव में आप जैसे कालनेमि से शर्मिन्दा ही हो रही है। ●●●

अपनी प्रतिक्रिया कृपया इस आईडी पर दें-

jay7feb@gmail.com

राष्ट्र के गौरव में हमारा गौरव है

पं. दीनदयाल उपाध्याय

हम देश के वैभव की कामना लेकर चल रहे हैं। रोज अपनी प्रार्थना में भी हम भगवान से ही आशीर्वाद मांगते हैं कि हमारा राष्ट्र वैभव के परम शिखर पर पहुंचे। वैभव की यह कामना अत्यंत ही स्वाभाविक है, जिसमें यह कामना नहीं, जिसमें यह इच्छा नहीं, उसे मानव कहना अनुपयुक्त होगा। प्रत्येक व्यक्ति ऊंचा उठना चाहता है, आगे बढ़ना चाहता है, सुखी बनना चाहता है। किंतु विचार का प्रश्न यही है कि यह सुख, यह वैभव, यह उत्कर्ष, इसका रूप क्या हो? हम ऊपर बढ़ रहे हैं, इसका मतलब क्या, तो बहुत बार तो लोग इतना ही मतलब समझते हैं कि व्यक्तिगत दृष्टि से हमारा मान-सम्मान बढ़ जाए, हम ऊंचे हो जाएं। हमें सुख के सभी साधन उपलब्ध हो जाएं और लोग उसके लिए प्रयत्न भी करते हैं, पढ़ाई-लिखाई बाकी के जीवन की दौड़-धूप-धंधा - यह सब इसी हिसाब से किया जाता है कि मैं व्यक्ति इस नाते से बड़े से बड़ा बन जाऊं। व्यक्तिगत आकांक्षा को लेकर लोग काम करते हैं।

परंतु जरा गहराई के साथ सोचें तो एक बात पता लगेगी कि यह व्यक्तिगत आकांक्षा जिस समाज में हम पैदा हुए हैं, जिस राष्ट्र के हम अंग हैं, उससे अलग हटकर के पूरी नहीं की जा सकती। अगर कुछ पूरा हो सकता है, अधूरा हो सकता है। समाज ने किसी को बुरा कहा तो बुरा लगता है। समाज ने किसी को अच्छा कहा, तो मन के अंदर अच्छा लगता है। अपना सुख-दुःख इस बात के ऊपर निर्भर करता है।

अब आज एक सज्जन का मैंने लेख पढ़ा। वह विदेशों में घूम करके आए। बड़े दुःखी हुए, कहने लगे, बड़ी मुश्किल है। क्यों, पूछने पर बोले, 'हिंदुस्तान के बारे में सब जगह यह धारणा हो गई है कि भिखारियों का देश है।' तो मैंने कहा, 'भई, तुमने जाकर कोई भीख मांगी क्या?' बोले कि नहीं, मैंने तो भीख नहीं मांगी, परंतु देश भीख मांग रहा है। अब देश भीख मांगता है तो उसको धक्का लगता है। देश में जब पाकिस्तान के साथ लड़ाई हुई और हमारी सेनाएं आगे बढ़ीं तो कोई अगर अमेरिका के अंदर भी था तो वह भी अपना सीना तानकर चलता था। उसको भी लगता था कि वाह वाह! हमारी जीत हो रही है और आपको भी लगता था यहां पर। हालांकि, मैं समझता हूं कि यहां पर आपमें से न कोई मोरचे पर था और न लड़ाई लड़ी। नारे-वारे जरूर लगाए होंगे थोड़े— बहुत, परंतु बाक़ी कुछ नहीं। परंतु मोर्च पर लड़नेवाले सिपाही के गौरव से अपने आपको गौरवान्वित अनुभव करते थे। इस प्रकार से हमारा गौरव उसके साथ है। राष्ट्र के गौरव में हमारा गौरव है और अलग-अलग इसका विचार किया तो समझ लीजिए कि फिर कभी गौरव होगा नहीं।

हमारा आर्थिक विकास, हमारा राष्ट्रीय विकास, हमारा नैतिक विकास, हमारा आध्यात्मिक विकास सबका सब समाज के साथ जुड़ा हुआ है, यानी आध्यात्मिक विकास भी कोई अपना जो है, हिमालय की गुफाओं में जाकर के योगाभ्यास कर ले और सोचे कि उसे मुक्ति मिल जाएगी, तो नहीं मिल सकती। अगर किसी को योगाभ्यास करना है तो योगाभ्यास कर ले, परंतु योगाभ्यास के द्वारा जो उसको सिद्धि प्राप्त हुई है, उस सिद्धि से अगर वह समाज को ऊंचा नहीं उठा सकता तो उसको मुक्ति नहीं मिल सकती। मुक्ति के विषय में अपने यहां पर कुछ लोगों की ग़लत धारणा हो गई कि मुक्ति कोई व्यक्तिगत चीज है। व्यक्तिगत मुक्ति नाम की कोई चीज नहीं। मुक्ति जो है, यह भी सामाजिक है, समष्टिगत है और उसी में से जब समाज मुक्त होगा, समाज ऊंचा उठेगा तो फिर व्यक्ति भी ऊंचा उठेगा, उसे मुक्ति मिलेगी।

समाज का काम करनेवाला ही सर्वोपरि है। केवल जिन्होंने अपना यानी समाज का काम छोड़ दिया, उन्होंने तो धर्म छोड़ दिया। समाज के लिए काम भगवान का काम है और केवल अपने लिए काम वास्तव में यह शैतान का काम है। तो भगवान की भक्ति अगर कोई है, तो वह है राष्ट्र की भक्ति यानी समाज की भक्ति यही भगवान का काम है। इसी में से व्यक्तिगत महत्ता प्राप्त होती है, व्यक्ति ऊंचा होता है। हमारा नाम हमारा सम्मान, हमारी सब चीजें इसमें अंतर्निहित हैं।

आप महाभारत के बारे में विचार करें तो, एक बात पता लगेगी और वह यह कि कौरव पक्ष और पांडव पक्ष में अगर कोई बात एक थी तो वह यह कि कौरव पक्ष का हर व्यक्ति व्यक्तिवादी था, समष्टिवादी नहीं था। समाज का विचार करने के लिए तैयार नहीं था। वहां पर भीष्म पितामह इतने बड़े थे, परंतु 'मैं'—मैंने प्रतिज्ञा की है कि शिखंडी के आने के बाद मैं बाण नहीं चलाऊंगा। और भाई, आप सेनापति हो, भीष्म पितामह की प्रतिज्ञा का महत्त्व है कि सेनापति के कर्तव्य का? दूसरी तरफ अर्जुन भी तो कह सकता था कि दुनिया में कोई मुझे क्या कहेगा? अर्जुन जैसा गांडीवधारी और वह शिखंडी की ओट में बाण चलाए, यह क्या अर्जुन के लिए शोभा देगा? अर्जुन के नाम पर कलंक है। परंतु कोई चिंता की बात नहीं है। अर्जुन ने समाज का, समष्टि का पूरे अपने पक्ष का विचार किया और भीष्म पितामह ने 'मैं' का विचार किया। उनके सामने व्यक्तिगत प्रतिज्ञा का महत्त्व था। ●●●

शीत शिविर वर्ग, फरवरी 4, 1968 को दिए उद्बोधन का संपादित अंश.

सुशासन के सूत्रधार अटल जी

तरुण चुघ

व्यक्तिगत जीवन में ईमानदारी, व्यवहार में शालीनता, स्वभाव में सादगी और सौम्यता का संगम यदि कहीं एक ही व्यक्ति में खोजना हो, तो वह 'भारत रत्न' अटल बिहारी वाजपेयी के व्यक्तित्व में मिलता है। राजनीति में शुचिता, सरकार में सुशासन और संसद में सर्वमान्य सांसद के साथ ही संवेदनशील साहित्यकार, महान राष्ट्रभक्त और अजातशत्रु पूर्व प्रधानमंत्री 'भारत रत्न' अटल बिहारी वाजपेयी जी का व्यक्तित्व हिमालय के समान विराट था। अटल जी ने देश के लोगों के जीवन में अपने विचारों का जो प्रभाव डाला, वह सदा-सर्वदा स्मरणीय बना रहेगा। यशस्वी प्रधानमंत्री के रूप में देश के आर्थिक विकास और लोगों के सामाजिक कल्याण के लिए उनका किया हुआ योगदान 21वीं सदी के भारत को राह दिखाने वाला रहा। अपने अटल कृतित्व और विशाल व्यक्तित्व के साथ किया गया महान कार्य हमेशा राष्ट्र के बीच अमर रहेगा। 'भारत रत्न' अटल बिहारी वाजपेयी सच्चे मायने में भारत के रत्न थे। उन्होंने जमीन से जुड़े रहकर राजनीति की और लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई थी। आज उनके विचार और देश के विकास की प्रवाह को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं।

भारत की राजनीति में मूल्यों और आदर्शों को स्थापित करने वाले राजनेता और प्रधानमंत्री के रूप में किये कार्यों की बदौलत ही अटल बिहारी वाजपेयी को भारत के विकास का दूरद्रष्टा कहा गया है। बात चाहे समर्थकों में समर्पण भाव पैदा करने का हो, चाहे विरोधियों का दिल जीतने की, बहु आयामी व्यक्तित्व के धनी अटल बिहारी वाजपेयी दोनों में अव्वल थे। उनका सार्वजनिक जीवन बहुत ही बेदाग और साफसुथरा था। इसी छवि और साफसुथरे सार्वजनिक जीवन की वजह से अटल बिहारी वाजपेयी जी का हर कोई सम्मान करता था। तभी तो उनके विरोधी भी उनके प्रशंसक थे। अटल जी के लिए राष्ट्र हित सदा सर्वोपरि रहा। अटल बिहारी वाजपेयी जी जब भी संसद में अपनी बात रखते थे, तो उनके विरोधी भी उनकी तर्कपूर्ण वाणी के आगे कुछ नहीं बोल पाता थे। वहीं एक कवि के रूप में अपनी कविताओं के जरिए अटल जी हमेशा सामाजिक बुराइयों पर प्रहार करते रहे।

अटल बिहारी वाजपेयी का व्यक्तित्व बहुत ही मिलनसार था। 1975 में इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल लगाने का अटल बिहारी वाजपेयी ने खुलकर विरोध किया था। 1977 के लोकसभा चुनाव के बाद देश में पहली बार गैर कांग्रेसी सरकार मोरारजी देसाई के नेतृत्व में जनता पार्टी की सरकार बनी, जिसमें अटलजी को विदेश मंत्री बनाया गया। बतौर विदेश मंत्री उन्होंने पूरे में भारत की छवि बनाई।विदेश मंत्री के रूप में संयुक्त राष्ट्र में हिंदी में भाषण देने वाले देश के पहले वक्ता बने।

1980 में जनता पार्टी के टूट जाने के बाद अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने सहयोगी नेताओं के साथ भारतीय जनता पार्टी की स्थापना की और वे पार्टी के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। 1996 के लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़े दल के रूप में उभरी, तो अटलजी सर्वसम्मति से संसदीय दल का नेता चुने जाने के बाद अटलजी देश के प्रधानमंत्री बने। दुर्भाग्यवश यह सरकार 13 दिन तक ही चली। 1998 में भाजपा फिर दूसरी बार सब से बड़ी पार्टी के रूप में उभरी और अटल बिहारी वाजपेयी दूसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने, लेकिन 13 महीने तक ही यह सरकार चल सकी। इस 13 महीने के छोटे से कार्यकाल में ही अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रधानमंत्री रहते हुए दृढ़इच्छा शक्ति का परिचय दिया और पोखरण में परमाणु परीक्षण कर सम्पूर्ण विश्व को भारत की ताकत का एहसास कराया।अमेरिका और यूरोपीय संघ समेत कई देशों ने भारत पर कई तरह के प्रतिबंध लगा दिए। उसके बावजूद भारत अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में हर तरह की चुनौतियों से सफलतापूर्वक निबटने में सफल रहा। कारगिल युद्ध में जीत के बाद हुए 1999 के लोकसभा चुनाव में भाजपा फिर अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में सब से बड़ी पार्टी के रूप में उभरी और उनके नेतृत्व में 13 दलों से गठबंधन कर के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधनके रूप में सरकार बनायी। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने अपना पूरा पांच साल का कार्यकाल पूर्ण किया। इस कार्यकाल में देश के अन्दर प्रगति के अनेक आयाम छुए।

अटलजी की सरकार ने भारत के चारों कोनों को सड़क मार्ग से जोड़ने के लिए स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना की शुरुआत की और दिल्ली, कलकत्ता, चेन्नई व मुम्बई को राजमार्ग से जोड़ा गया। अटलजी को देश-विदेश में अब तक अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने 2015 में भारत के सर्वोच्च सम्मान 'भारतरत्न' से पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को उनके घर जाकर सम्मानित किया। अटलजी को देश-विदेश में अब तक अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। ●●●

लेखक भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री हैं.

भाजपा ने मनाया सुशासन दिवस

छत्तीसगढ़ भाजपा नेताओं ने बूथों पर जाकर सुनी मन की बात

छत्तीसगढ़ राज्य निर्माता अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन को सुशासन दिवस के रूप में मनाते हुए भाजपा ने पूरे प्रदेश में विविध आयोजन कर अटलजी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर भाजपा नेताओं ने सभी जगह पार्टी कार्यकर्ताओं व आम जनता के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम का श्रवण किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने आज अपने संसदीय क्षेत्र बिलासपुर के अंतर्गत बेलतरा विधान सभा के बिरकोना में (बूथ क्रमांक 137) कार्यकर्ताओं और नागरिकों के साथ देश के प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना। उन्होंने अटलजी के सिद्धांतों के अनुरूप भारत विकास तथा देशवासियों की सेवा कर रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अनुसरण करने का आव्हान किया।

भारत रत्न पूर्व प्रधान मंत्री, छत्तीसगढ़ राज्य निर्माता भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती को सुशासन दिवस के रूप में मनाते हुए अटल जी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया।

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने अटलजी की जयंती सुशासन दिवस के अवसर पर भाजपा नगर मंडल नैला, जांजगीर चाम्पा में बूथ क्रमांक 103 पर शिव चमन सिंह के निवास पर भाजपा कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुना।

अटलजी की जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री के मन की बात छत्तीसगढ़ के अभनपुर मंडल के ग्राम पौंता, बूथ क्रमांक–31 में कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल ने सुनी तथा सभी से राष्ट्र विकास के साथ जनसेवा के लिए तत्पर रहने मार्गदर्शन दिया।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने बूथ क्रमांक 222 पंचशील नगर तिफरा सिरगिटटी मंडल बिलासपुर में मन की बात सुनी एवं अटल जी की 98 वीं जयंती पर सुशासन दिवस मनाया। इस अवसर पर पार्षद मंडल कार्यकर्ता, वार्डवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ग्राम सड़क योजना के माध्यम से गांव के जनजीवन को मुख्यधारा से जोड़ने का काम अटलजी ने किया : बृजमोहन अग्रवाल

इस अवसर पर प्रदेश के सभी राष्ट्रीय, प्रदेश एवं जिला स्तर के नेताओं ने पार्टी की सबसे महत्वपूर्ण एवं सूक्ष्म इकाई बूथों पर जाकर मोदी जी के मन की बात सुनी। सांसद सुनील सोनी ने बूथ पर कार्यकर्ताओं सहित मन की बात सुनी, वरिष्ठ विधायक पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने भाजपा झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के प्रदेश एवं जिला पदाधिकारियों एवं आम जनता के साथ मन की बात सुनी। व झुग्गी झोपड़ी में कंबल वितरण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गांव को मुख्य सड़क से जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का शुभारंभ माननीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की परिकल्पना थी। पूर्व मंत्री प्रदेश प्रवक्ता राजेश मूणत ने माधव राव सप्रे वार्ड बूथ क्रमांक 255, रायपुर शहर जिला अध्यक्ष जयंती भाई पटेल ने सदर बाजार वार्ड में मन की बात सुनी। मोतीलाल साहू ने बूथ नं 117 धनलक्ष्मी नगर भनपुरी, रायपुर ग्रामीण विधान सभा में मन की बात सुनी। डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड क्रमांक 9 बूथ क्रमांक 161, अवधेश जैन , इंदिरा गाँधी वार्ड में वरिष्ठ भाजपा नेता सच्चिदानंद उपासने , गोलबाजार में केदारनाथ गुप्ता, प्रदेश भाजपा प्रवक्ता नलिनेश ठोकने ने यात्रा के दौरान मन की बात सुनी। इसी तरह जिले के समस्त पदाधिकारियों महामंत्री द्वय, उपाध्यक्षगण, जिला मंत्री, कोषाध्यक्ष कार्यालय मंत्री ने अपने अपने बूथों पर मन की बात सुनी। ●●●

आदिवासी विरासत से सीखकर भविष्य को आकार देना है

मुख्य बातें

- 'जनजातीय गौरव दिवस' के माध्यम से देश की आदिवासी विरासत पर गर्व व्यक्त करना और आदिवासी समुदाय के विकास के लिए संकल्प 'पंच प्राण' की ऊर्जा का हिस्सा है
- भारत को भव्य आदिवासी विरासत से सीखकर अपने भविष्य को आकार देना है; मुझे विश्वास है कि जनजातीय गौरव दिवस इसके लिए एक अवसर और माध्यम बनेगा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 15 नवंबर, 2022 को जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर एक वीडियो संदेश के माध्यम से राष्ट्र को अपनी शुभकामनाएं दीं। श्री मोदी ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा और करोड़ों जनजातीय वीरों के सपनों को साकार करने के लिए राष्ट्र 'पंच प्राण' की ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस के माध्यम से देश की आदिवासी विरासत पर गर्व व्यक्त करना और आदिवासी समुदाय के विकास का संकल्प इसी ऊर्जा का हिस्सा है।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार ने वर्ष 2021 से आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी 'बिरसा मुंडा' की जयंती के उपलक्ष्य में 15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया था।

श्री मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि 15 नवंबर आदिवासी परंपरा को मनाने का दिन है, क्योंकि भगवान बिरसा मुंडा न केवल हमारे स्वतंत्रता संग्राम के नायक थे, बल्कि वह हमारी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक ऊर्जा के संवाहक भी थे।

प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय समुदाय के योगदान को नमन करते हुए प्रमुख आदिवासी आंदोलनों और स्वतंत्रता के लिए लड़े गए युद्धों का स्मरण किया। उन्होंने तिलक मांझी के नेतृत्व में दामिन संग्राम, बुद्ध भगत के नेतृत्व में लरका आंदोलन, सिद्धू-कान्हू क्रांति, ताना भगत आंदोलन, वेगड़ा भील आंदोलन, नायकड़ा आंदोलन, संत जोरिया परमेश्वर और रूप सिंह नायक, लिम्दी दाहोद युद्ध, अल्लूरी सीताराम राजू के नेतृत्व में मानगढ़ और रंपा आंदोलन के गोविंद गुरु जी को भी याद किया।

श्री मोदी ने जनजातीय योगदान को स्वीकार करने और उत्सव मनाने के कदमों के बारे में बताया। उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों में जनजातीय संग्रहालयों और जन धन, गोवर्धन, वन धन, स्वयं सहायता समूहों, स्वच्छ भारत, पीएम आवास योजना, मातृत्व वंदना योजना, ग्रामीण सड़क योजना, मोबाइल कनेक्टिविटी, एकलव्य स्कूल, वन उत्पादों के लिए 90 प्रतिशत तक एमएसपी, सिकल सेल एनीमिया, जनजातीय अनुसंधान संस्थान, निःशुल्क कोरोना वैक्सीन और मिशन इंद्रधनुष जैसी योजनाओं के संदर्भ में भी अपने विचार व्यक्त किए, जिनसे जनजातीय समुदाय को बहुत लाभ मिला है।

श्री मोदी ने आदिवासी समाज की वीरता, सामुदायिक जीवन और समावेश का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत को इस भव्य विरासत से सीखकर अपने भविष्य को आकार देना है। मुझे विश्वास है कि जनजातीय गौरव दिवस इसके लिए एक अवसर और माध्यम बनेगा।

महान स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा

भगवान बिरसा मुंडा एक महान स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक थे। उन्होंने ब्रिटिश औपनिवेशिक सरकार की शोषणकारी व्यवस्था के खिलाफ जनजातीय आंदोलन अर्थात् उलगुलान (विद्रोह) का नेतृत्व किया। उन्हें 'धरती आबा' के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि उन्होंने जनजातीय समुदायों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों को समझने और एकता का पालन करने के लिए प्रोत्साहित किया था। भगवान बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर, 1875 को झारखंड में हुआ था और मात्र 25 साल की उम्र में वे मातृ-भूमि के लिए शहीद हो गए। ●●●

जी-20

शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता एक स्वर्णिम अध्याय

ओ पी चौधरी

मोदी सरकार के पिछले 8 वर्षों के कार्यकाल में वैश्विक स्तर पर ऐसे कई उदाहरण देखने को मिले हैं, जो विश्व मंच पर भारत की बढ़ती साख और बढ़ते महत्व को दर्शाता है। यह प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शिता पूर्ण विदेश नीति का ही परिणाम है कि आज भारत अपने प्राचीन वैभव के स्तर को प्राप्त करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी कड़ी में इंडोनेशिया में हाल ही में संपन्न जी-20 देशों का सम्मेलन कई मायनों में अभूतपूर्व रहा। जी-20 महत्वपूर्ण देशों का ऐसा समुह है जहाँ विश्व की 60 प्रतिशत आबादी निवास करती है और जिनका वैश्विक अर्थव्यवस्था में लगभग 80 प्रतिशत योगदान है। ऐसे जी-20 समुह की अध्यक्षता भारत को मिलना एक ओर देश के इतिहास में एक ऐतिहासिक अध्याय माना जाएगा,वहीं वैश्विक इतिहास में एक परिवर्तनकारी मोड़ भी समझा जायेगा।

जी-20 शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता मिलने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत ऐसे समय में जी-20 की कमान संभाल रहा है, जब दुनिया एक साथ भू-राजनीतिक तनाव, आर्थिक मंदी, बढ़ती खाद्य और ऊर्जा की कीमतों और महामारी के दीर्घकालिक दुष्प्रभावों से जूझ रही है।

अपने अभिभाषण में उन्होंने कहा, "ऐसे समय में दुनिया जी-20 की ओर उम्मीद से देख रही है। आज, मैं आश्वस्त करना चाहता हूं कि भारत की जी 20 की अध्यक्षता समावेशी, महत्वाकांक्षी, निर्णायक और परिणाम कारी होगी। भविष्य में जी-20 को शांति और सद्भाव के पक्ष में एक मजबूत संदेश देना है। ये सभी प्राथमिकताएं भारत के जी-20 अध्यक्षता की थीम- 'वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर' में पूरी तरह सम्मिलित है।

23 वर्षों के इतिहास में पहली बार जी-20 में भारत को अध्यक्षता मिलना इस बात का संकेत है कि भारत अब विश्व पटल पर अपनी नयी बेबाक छवि से पहचाना जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी जी के शब्दों में कहें तो हम ना आंख झुका के बात करेंगे, ना आंख दिखा के बात करेंगे, अब हम आंख मिला के बात करेंगे।

रुस-यूक्रेन विवाद के कारण पैदा हुए वैश्विक तनाव और विभाजन के समय प्रधानमंत्री मोदी ने जिस तरह अपनी राजनितिक परिपक्वता का परिचय देते हुए युद्ध के बीच मध्यस्थता की, उससे वैश्विक पटल पर भारत की साख बढ़ी है। "कई देशों ने जब रूस पर आर्थिक प्रतिबंध लगाया तो भारत ने रूस से तेल का आयात प्रारंभ कर दिया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यूरोपीय देशों की नाराजगी की परवाह किए बगैर स्पष्ट शब्दों में कहा कि "हम तेल रूस से ही नहीं खरीदेंगे,लेकिन वहीं से खरीदेंगे जहां बाजार में हमें सस्ते दामों पर उपलब्ध हो। भारत अपने आर्थिक हित में फैसले लेने के लिए स्वतंत्र है। इसमें किसी अन्य का हस्तक्षेप हमें स्वीकार्य नहीं है।" यूएन में पेश कई रिजोल्यूशन पर भी भारत ने बिना किसी के दबाव में आए अपने सामरिक हितों को ध्यान में रखकर वोट किया।

देश ने वह दिन भी देखे हैं जब हमारे आंतरिक मामलों में भी बाह्य शक्तियों का सीधा हस्तक्षेप हुआ करता था, या यूं कहें कि उनके अनुसार ही हमारी विदेश नीति तय होती थी। आज का भारत प्रधानमंत्री मोदी के सशक्त नेतृत्व में उन रूढ़िवादी नीतियों को पीछे छोड़ चुका है,जो हमें विकसित देशों की पिछलग्गू बनाती थीं।

भारत को जी-20 की अध्यक्षता मिलना अनायास नहीं है। भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था ने पूरे विश्व के निवेशकों को अपनी ओर आकर्षित किया है। आज भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था एवं जीडीपी के मामले में सबसे तेजी से बढ़ता देश है। जिस प्रकार से भारत ने पाकिस्तान की आतंकी गतिविधियों को ध्वस्त करने के लिए पाकिस्तान में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक किया और गलवान में भारत की सीमा में कई किलोमीटर अंदर प्रवेश कर चुकी चीनी सेना को खदेड़ कर वापस भगाया, उससे सभी ने भारत की सैन्य शक्ति का लोहा माना। यह इस बात को भी दर्शाता है कि भारत सामरिक सुरक्षा के लिए अपनी सहिष्णु छवि को आड़े नहीं आने देगा। जो भी इस देश के उपर अपना आधिपत्य स्थापित करने का प्रयास करेगा, उसे समुचित भाषा में जबाव दिया जाएगा। ये ऐसी घटनाएं हैं जिसने वैश्विक स्तर पर भारत की छवि बदल दी। कभी भारत के

साथ दोयम दर्जे का व्यवहार करने वाले देश आज भारत को केंद्र में रखकर अपनी कूटनीति बना रहे हैं।

जी-20 की अध्यक्षता मिलने के मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने देश में चलायी जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं से जी-20 समूह को अवगत कराया। प्रधानमंत्री ने बताया कि जन धन योजना से महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की दिशा में काम किए गए। डिजिटलीकरण के कारण भारत में जो क्रांति आयी उसने देश के विकास को एक नयी दिशा दी, साथ ही भ्रष्टाचार को रोकने में भी काफी हद तक सफलता मिली। अंत्योदय योजनाओं के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति को विकास की धारा से जोड़ा गया। जी-20 समूह के विकासशील देशों के लिए इस तरह की जन कल्याणकारी योजनाएं सामाजिक समरसता बनाये रखने में अहम योगदान देंगी।

जी-20 शिखर सम्मेलन में जन भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सरकार के द्वारा जी-20 का लोगो डिजाइन करने के लिए एक प्रतियोगिता आयोजित की गई। जी-20 लोगो, पृथ्वी ग्रह को कमल के ऊपर रखता है, जो आध्यात्मिकता, धन और ज्ञान का प्रतीक हमारा राष्ट्रीय पुष्प है। लोगो के रंग - केसरिया, हरा, सफेद और नीला - हमारे राष्ट्रीय ध्वज से लिए गए हैं। लोगो में कमल की सात पंखुड़ियां 9-10 सितंबर, 2023 के दौरान नई दिल्ली में भारत द्वारा आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए सात समुद्रों और सात महाद्वीपों के एक साथ आने का प्रतीक है। लोगों भारत के

जी-20 का आयोजन सिर्फ राजधानी दिल्ली तक ही सीमित नहीं रहेगा बल्कि देश के अनेक राज्य में जी-20 शिखर सम्मेलन के बैठकों का आयोजन किया जाना है। इसमें हमारे छत्तीसगढ़ राज्य में भी सम्मेलन निर्धारित है।

"वसुधैव कूटुम्बकम" या "एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य" - महा उपनिषद के प्राचीन संस्कृत पाठ से लिया गया है और सभी मानवीय मूल्यों की पुष्टि करता है।

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र और हजारों वर्षों की समृद्ध संस्कृति से सुसज्जित भारत में जी-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन,यहां के 'अतिथि देवो भव' की परंपरा को विश्व पटल पर छाप छोड़ने का अवसर प्रदान करेगा। इनका आयोजन सिर्फ राजधानी दिल्ली तक ही सीमित नहीं रहेगा बल्कि देश के लगभग हर राज्य में जी-20 शिखर सम्मेलन के बैठकों का आयोजन किया जाना है। इसमें हमारे छत्तीसगढ़ राज्य में भी सम्मेलन निर्धारित है। इस दौरान विकासशील देशों के सैकड़ों प्रतिनिधि हमारे राज्य की विविधता भरी संस्कृति से अवगत होंगे,साथ ही साथ निवेश के अवसर भी तलाशेंगे।

जी-20 शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता भारत के लिए एक स्वर्णिम अध्याय है। 'वसुधैव कुटुम्बकम' के ध्येय वाक्य पर अग्रसर भारत अब विश्व के उन 20 सशक्त देशों का प्रतिनिधित्व करने जा रहा है,जो आने वाले समय में विश्व की समग्र विकास में अहम योगदान देंगे। प्रधानमंत्री मोदी के सशक्त नेतृत्व में भारत की बढ़ती साख हमें भविष्य में ऐसे कई और गौरवान्वित करने वाले अवसर प्रदान करेगी। सदियों तक गुलामी और विभाजन की यातनाएं झेलने वाला भारत एक बार पुनः विश्वगुरु बनने की राह पर तेजी से अग्रसर है। ●●●

(लेखक, पूर्व आईएएस अधिकारी एवं छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेश महामंत्री हैं)

भूपेश सरकार के चार साल पूरे होने पर प्रेस वार्ता के बिंदु

भूपेश सरकार के इस चार वर्ष के कुशासन में प्रदेश में चारों तरफ हताशा, निराशा, भय और आतंक व्याप्त है। चारों तरफ हाहाकार मचा हुआ है। दिनदहाड़े हत्याएं हो रही हैं, अबोध बालिकाओं के साथ दुष्कर्म और उनकी हत्याओं की श्रृंखला सी चल पडी है। लूट और डकैती आदि की घटनाएं अब रोजाना का काम हो गया है। क़ानून-व्यवस्था बनाए रखने के अपने प्राथमिक दायित्व से ही कांग्रेस की इस सरकार ने मूंह मोड़ लिया है और इनका सारा ध्यान केवल और केवल अधिक से अधिक लूट मचाने, और भ्रष्टाचार तथा उगाही से प्राप्त पैसे को देश भर के चुनावों में कांग्रेस के लिए खर्च करने, दस जनपथ के लिए एटीएम का काम करने पर है। कांग्रेस की इस सरकार को अपनी करतूतों पर शर्मिन्दा होना चाहिए न कि डींगें हांका चाहिए, गाल बजाना चाहिए।

कानून व्यवस्था : प्रदेश में क़ानून व्यवस्था की स्थिति बदतर है। पिछले 4 साल में यहां दुष्कर्म के 6000 से अधिक मामले दर्ज किये गए हैं। 4000 से ज्यादा नाबालिगों के साथ दुष्कर्म, 6000 से ज्यादा युवतियों का अपहरण हुआ। बड़ी सख्या में ऐसे मामले भी हैं जिन्हें दर्ज नहीं किये गए हैं। प्रदेश भर में हत्या, लूट, अपहरण, तस्करी, मानव तस्करी की वारदात। अनेक जघन्य मामलों में कांग्रेस के नेतागण सीधे तौर पर लिप्त रहे। शांति का टापू रहा अपना प्रदेश आज भूपेश बघेल के शासन में दुष्कर्म में छठवें नंबर पर, फिरौती में चौथे, आत्महत्या के मामले में दुसरे और डकैती के मामले में पांचवें नंबर पर आ गया है। प्रदेश में ठगी का स्टार्टअप चल रहा है।गांजा तस्करी, ब्राउन सूगर,नशीली गोली, चरस-अफीम, शराब की तस्करी उफान पर। ऑनलाइन ठगी के 1500 से अधिक मामले।

घोटाला : ईडी और आईटी विभाग की लगातार कारवाईयों से जितने तथ्य सामने आये हैं, उससे छत्तीसगढ़ शर्मिन्दा हैं। भूपेश बघेल और उनके आसपास के चंद लोगों ने जिस बेरहमी और दुस्साहस के साथ प्रदेश को लूटा है, जैसा अमर्यादित आचरण इनकी सरकार का रहा है, उस पर हमें शर्म आती है। कोल ट्रांसपोर्ट में अंडरवर्ल्ड की तरह चल रही उगाही, आयरन ओर पैलेट्स समेत रेत, ज़मीन, शराब, ड्रग्स आदि के वैध-अवैध कारोबार से एक मोटे अनुमान के अनुसार लगभग 10 हजार करोड़ का घोटाला भूपेश सरकार ने किया है। भारत की किसी भी सरकार ने इस तरह अपने ही प्रदेश के संसाधनों को नहीं लूटा जैसा भूपेश बघेल कर रहे हैं। 25 सौ करोड़ से अधिक का केवल कोयला घोटाला है।

इसके अलावा केवल चावल वितरण में 3 हज़ार करोड़ से अधिक का घोटाला इस सरकार ने किया है। पिछले दिनों की खबर आप सबने पढी जिसमें रोज एक करोड़ का घोटाला चावल में केवल बस्तर में किये जा रहे हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री गरीब अन्न योजना के चावल में 15 सौ करोड़ से अधिक का घोटाला सामने आया।छग सरकार ने कोरोना सेस भी लगाया लेकिन उसे भी खर्च नहीं किया। हाईकोर्ट ने भी इस सेस की रकम को डकार लेने के आरोप पर कांग्रेस सरकार से जवाबतलब किया है।

मनरेगा की राशि अप्राप्त है। 15 वें वित्त आयोग की राशि सरपंचों से जबरन अन्य कार्यों में खर्च कराया जा रहा है। ग्राम सभा को कमजोर किया जा रहा है। गोधन न्याय योजना के केवल प्रचार में 125 करोड़ से अधिक राशि बर्बाद की गयी। एक चार्जशीटेड मुख्यमंत्री के रूप में भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ महतारी को शर्मिंदा किया। नक़ली अश्लील सीडी वितरण और छवि हत्या के आरोप में न केवल भूपेश बघेल और उनके राजनीतिक सलाहकार जेल यात्रा के बाद ज़मानत पर बाहर हैं, बल्कि सीबीआई ने चार्जशीट भी दायर कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले को राज्य से बाहर सुनवाई करने की याचिका सीबीआई ने दाखिल की हुई है।

25 हज़ार से अधिक आदिवासी बच्चों की अकाल मृत्यु: पिछले तीन वर्ष में छत्तीसगढ़ में 25 हज़ार से अधिक आदिवासी बच्चों की अकाल मृत्यु। 13 हज़ार से अधिक नवजात शिशु और 38 सौ से अधिक छोटे बच्चे-बच्चियों का निधन। संरक्षित पंडो जनजाति के सैकड़ों लोगों की बीमारी और कुपोषण मौत।नक्सल इलाकों में आदिवासियों से फर्जी मुठभेड़ हो रही हैं। प्रदेश में 67.2 प्रतिशत महिलाएं एनीमिक हो गयी हैं। कुपोषण की दर 20 प्रतिशत। जुलाई 2021 तक 4 प्रतिशत की वृध्दि। हाल ही में अम्बिकापुर में

4 नवजात की दुखद मृत्यु शासकीय कुप्रबंधन का उदाहरण है।

रोज़गार पर झूठ : 5 लाख रोजगार का सफेद झूठ भी पकड़ा गया कांग्रेस का। पांच लाख नौकरी देने के बड़े-बड़े दावे कर लिए लेकिन विधानसभा में स्वीकार करना पड़ा कि मात्र मुट्ठी भर (बीस हज़ार) नौकरी दे पाए। इसमें भी भाजपा सरकार के दौरान मिले रोजगार को शामिल किया। स्व- सहायता समूहों से जुड़ी ऐसी 22 हजार से अधिक महिलाओं का रोज़गार छीन कर एक निजी कम्पनी को दे दिया।

आत्महत्याओं का दौर : क़र्ज़, रकबा कटौती एवं धान नहीं बेच पाने के कारण प्रदेश में 800 से अधिक किसान आत्महत्या को विवश हुए हैं।20 हज़ार से अधिक छत्तीसगढियों की आत्महत्या। इसमें अधिकांश ऐसे युवा हैं जिन्होंने बेरोज़गारी के कारण निराश होकर अपनी जान दी है। प्रदेश में युवाओं के साथ बड़ा धोखा हुआ है। शिक्षक अभ्यर्थी, विद्या मितान, पुलिस अभ्यर्थी, बिजली कर्मचारी, कोरोना वारियर्स सभी अपनी मांगों को लेकर आंदोलित हैं।

16 लाख छीना गरीबों का घर छीना : कांग्रेस सरकार ने 'प्रधानमंत्री आवास योजना' के माध्यम से प्रदेश में बनने वाले 16 लाख से अधिक गरीबों का आशियाना छीनने का काम किया है। देश भर में सबको पक्का मकान मिल रहा रहा है, छत्तीसगढ़ को कांग्रेस ने किया वंचित।समूचे छत्तीसगढ़ में सड़कों की हालत बदहाल है। 24 लाख से अधिक घरों को मोदी जी के नल जल योजना से वंचित रखा। स्वीकृति नहीं दी।

माटी पुत्रों का अधिकार छीना : कांग्रेस छत्तीसगढ़ महतारी को अपने करतूतों से लगातार शर्मिंदा कर रही है। जबकि कांग्रेस ने तीन-तीन सांसद के. टी. एस. तुलसी, राजीव शुक्ला और रंजीत रंजन को राज्यसभा में बाहरी राज्यों से भेजा। इससे पहले मोहसीना किदवई को कांग्रेस भेजती रही राज्यसभा में।छत्तीसगढ़महतारी के माथे पर दशकों से जिस पिछड़ेपन, बदहाली, शोषण आदि का दाग था, वह कांग्रेस की ही देन थी। नक्सलवाद जिन परिस्थितियों को बहाना बना कर फैला, वे सारी परिस्थितियां कांग्रेस ने पैदा की थी।

हिन्दुओं की भावना से लगातार खिलवाड़ : लगातार भगवा ध्वज का अपमान हिन्दू कार्यकर्ताओं के दमन का सिलसिला न केवल कवर्धा और खैरागढ़ में बल्कि प्रदेश भर में चल रहा है। कवर्धा में सम्प्रदाय विशेष के विधायक और मंत्री के संरक्षण में हिन्दुओं पर जुल्म किये गए, भाजपा के नेताओं पर झूठे मुक़दमे लादे गए, उन्हें उत्पीडित किया गया, भगवा ध्वज का अपमान करने वालों को खुली छूट दी गयी। इसी तरह प्रदेश में जबरन धर्मांतरण का खेल राजनीतिक संरक्षण में जारी है।

5 लाख रोजगार का सफेद झूठ भी पकड़ा गया कांग्रेस का। बड़े-बड़े दावे कर लिए लेकिन विधानसभा में स्वीकार करना पड़ा कि मात्र मुट्ठी भर नौकरी दे पाए।

आदिवासी/ ओबीसी आरक्षण : केवल भानुप्रतापपुर चुनाव जीतने के लिए जल्दबाजी में आरक्षण विधेयक लाया गया। आधे-अधूरे मन से इसे लाया गया ताकि फिर कोई कोर्ट जा कर इसे खारिज करा लाये।भूपेश सरकार आरक्षण के मामले में जान-बूझ कर चुनाव हारती है ताकि समाजों के बीच विभेद पैदा कर राजनीतिक रोटी सेक सके। कोर्ट में जान-बूझ कर मामले को कमजोर कर आदिवासियों का आरक्षण 12 प्रतिशत कम करा दिया। जिसने आदिवासियों के ख़िलाफ़ मुकदमा किया उसे आयोग का अध्यक्ष बना कर पुरस्कृत किया। पहली बार भारत में आदिवासी राष्ट्रपति मिलने का अवसर आया, तो इसके ख़िलाफ़ वोट डालने वाले, उन्हें प्रदेश में हराने वाले कांग्रेसी ही थे।इससे पहले ओबीसी आरक्षण के ख़िलाफ़ मुक़दमा करने वाले को भी राज्यमंत्री का दर्जा देकर पुरस्कृत किया। वहां भी केवल राजनीति करते हुए जान-बूझ कर हाईकोर्ट में मुक़दमा हारी। सुनवाई के दिन राज्य के महाधिवक्ता को अनुपस्थित करा कर वह मुक़दमा हारी। केंद्र में ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा देने का भी कांग्रेस ने विरोध कर बिल गिरा दिया था।

विश्वासघात/वादाखिलाफी : कांग्रेस सरकार ने 2018 की विधानसभा चुनाव में गंगाजल हाथ में लेकर जनता से अनेक लोक-लुभावने वादे किये थे, लेकिन उनमें से अधिकांश से वह मुकर गयी। किसानों के दो वर्ष के बकाये बोनस का भुगतान नहीं किया।किसानों को क़र्ज़ माफी का वादा कर उलटे पूरे प्रदेश को ही कर्जदार बना दिया।प्रदेश पर 1.5 लाख करोड़ से अधिक का क़र्ज़ लादा। मंडी टैक्स ख़त्म करने का वादा था, उलटे डेढ़ सौ प्रतिशत बढाया। शराबबंदी की घोषणा कर उलटे शराब की होम डिलीवरी शुरू की। युवाओंको कोई रोजगार नहीं दिया। 10 लाख रोजगार का वादा था। बेरोजगारी भत्ता 25 सौ रूपये महीने 10 लाख युवाओं को देना था, उससे भी अब साफ़ मुकर गए।12 सौ करोड़ का बेरोजगारी भत्ते का गबन किया सरकार ने भाजपा की सरकार ने। प्रदेश का ढांचागत निर्माण करने के लिए पूरे पंद्रह वर्ष में जितने क़र्ज़ लिए, उसका कई गुना क़र्ज़ मात्र तीन वर्ष में लिया।

राज्य पर कर्ज : छत्तीसगढ़ के किसानों को कर्जमुक्त करने का वादा कर कांग्रेस सत्ता में आयी जबकि उसने हर नागरिक को कर्ज के जाल में डाल दिया। प्रदेश पर 1.5 लाख करोड़ से अधिक का कर्ज डाल दिया जिसे छत्तीसगढ़ की पीढ़ियों को ही चुकाना होगा।

धान खरीदी : धान का समर्थन मूल्य केंद्र के पैसे से आता है। विधानसभा में कांग्रेस सरकार का एक और झूठ सामने आया जब उसे स्वीकार करना पड़ा कि समर्थन मूल्य पर उपार्जित धान की राशि 51 हजार 563 करोड़ रुपये केंद्र से ही आये हैं। केवल अंतर की राशि 11 हजार 148 करोड़ रुपये देकर दिए गए। इस 11 हज़ार करोड़ रूपये देकर 90 हज़ार करोड़ का कर्ज किसानों पर, छत्तीसगढ़ के लोगों पर डाल दिया। उपार्जित धान पर चावल की खरीद केंद्र सरकार करती है, प्रदेश सरकार का इसमें कोई योगदान नहीं होता।वर्मी कपोस्ट घोटाला आदि। मंडी टैक्स ढाई गुना बढ़ाया। मछुआ नीति में बदलाव कर मछुआ सोसाइटियों का अधिकार छीना। पुरानी मछुआ नीति हटा कर समाज की सहकारी समिति को प्राथमिकता दी जाती थी। अब ओपन कर दिया है। ●●●

खरीफ विपणन सत्र में अब तक 231 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई

47,644
करोड़ रुपये का भुगतान

खरीफ विपणन सत्र 2022-23 (खरीफ फसल) के लिए धान की खरीद 13 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में सुचारू रूप से चल रही है। पंजाब, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, केरल, तेलंगाना, हरियाणा और तमिलनाडु में खरीद की प्रक्रिया जारी है।

केंद्रीय उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय द्वारा 11 नवंबर को जारी एक बयान के अनुसार 10 नवंबर तक 231 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की जा चुकी है। इसकी तुलना में पिछले वर्ष की इसी अवधि में लगभग 228 लाख मीट्रिक टन धान क्रय किया गया था। खरीद से लगभग 47,644

करोड़ रुपये के न्यूनतम समर्थन मूल्य के भुगतान के साथ 13.50 लाख से अधिक किसान पहले ही लाभान्वित हो चुके हैं।

इस वर्ष देश में बारिश की स्थिति काफी अच्छी रही और धान का उत्पादन सामान्य रहने की उम्मीद है। वर्तमान खरीफ विपणन सत्र 2022-23 की खरीफ फसल के लिए 771 लाख मीट्रिक टन धान (चावल के मामले में 518 लाख मीट्रिक टन) की खरीद का अनुमान लगाया गया है। इसकी तुलना में पिछले खरीफ विपणन सत्र 2021-22 (खरीफ फसल) के दौरान 759 लाख मीट्रिक टन धान (चावल के मामले में 510 लाख मीट्रिक टन) खरीदा गया था। इसमें रबी की धान को शामिल करने से पूरे खरीफ विपणन सत्र 2022-23 के दौरान लगभग 900 लाख मीट्रिक टन धान खरीदे जाने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि एनएफएसए/पीएमजीकेएवाई/ओडब्ल्यूएस की आवश्यकता को पूरा करने के लिए केंद्रीय पूल के तहत खाद्यान्न का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। अन्य राज्यों में भी खरीद प्रक्रिया जल्द ही शुरू होने जा रही है और समस्या मुक्त खरीद कार्यों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं।

'पीएम किसान योजना' से 2 लाख करोड़ रु. से अधिक की आर्थिक सहायता प्रदान

1.6 करोड़ से अधिक की राशि कोविड महामारी के कारण हुए लॉकडाउन के बाद से की जा चुकी है अंतरित

पीएम किसान योजना के तहत किसी भी किश्त अवधि के लिए लाभ जारी करने की संख्या अब 10 करोड़ किसानों को पार कर गई है। शुरुआत में यह संख्या 3.16 करोड़ थी, अर्थात 3 वर्षों में 3 गुना से अधिक की वृद्धि हो चुकी है।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा 21 नवंबर को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार 'पीएम किसान योजना' ने 3 से अधिक वर्षों के दौरान करोड़ों जरूरतमंद किसानों को सफलतापूर्वक 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की आर्थिक सहायता प्रदान की। इस राशि में से 1.6 करोड़ रुपये से अधिक की राशि कोविड महामारी के कारण हुए लॉकडाउन के बाद से अंतरित की जा चुकी है। 'पीएम किसान' के तहत किसी भी किश्त अवधि के लिए लाभ जारी करने की संख्या अब 10 करोड़ किसानों को पार कर गई है। शुरुआत में यह संख्या 3.16 करोड़ थी, अर्थात 3 वर्षों में 3 गुना से अधिक की वृद्धि हो चुकी है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 24 फरवरी, 2019 को शुरू की गई यह महत्वाकांक्षी योजना दुनिया की सबसे बड़ी प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजनाओं में से एक है। यह योजना करोड़ों किसानों तक लाभ पहुंचाने में सफल रही है और ख़ास बात यह है कि इसमें कोई बिचौलिया शामिल नहीं है।

'पीएम किसान योजना' भूमिधारक किसानों की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार की एक मुख्य योजना है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से किसान परिवारों के बैंक खातों में प्रति वर्ष 6000 रुपये का वित्तीय लाभ हस्तांतरित किया जाता है। उच्च आर्थिक स्थिति की कुछ श्रेणियों को इस योजना से बाहर रखा गया है। साथ ही, पीएम किसान योजना ने किसानों को कृषि गतिविधियों में उत्पादक निवेश की दिशा में मदद की है और कृषि क्षेत्र के समग्र सुधार में योगदान दिया है।

आईसीएआर और अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान के सहयोग से किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि इस योजना ने कृषि के लिए आवश्यक वस्तुओं को खरीदने के लिए किसानों की तरलता की कमी को दूर करने में काफी मदद की है।

विश्व की तीसरी सबसे बड़ी फसल बीमा है 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना'

छह वर्षों में किसानों को 1,25,662 करोड़ रुपये का किया गया भुगतान

पिछले छह वर्षों में प्रीमियम के रूप में किसानों ने 25,186 करोड़ रुपये का भुगतान किया, जबकि 31 अक्टूबर, 2022 तक किसानों को उनके दावों के आधार पर 1,25,662 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया।

केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा एक दिसंबर को जारी एक बयान के अनुसार 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' विश्व की तीसरी सबसे बड़ी फसल बीमा है और आने वाले वर्षों में वह पहले नंबर पर हो जायेगी, क्योंकि योजना के तहत हर वर्ष लगभग पांच करोड़ किसानों के आवेदन प्राप्त होते हैं।

किसानों के बीच योजना की स्वीकार्यता भी पिछले छह वर्षों में बढ़ गई है। उल्लेखनीय है कि इस क्रम में 2016 में अपनी शुरुआत के बाद से ही योजना में गैर-कर्जदार किसानों, सीमांत किसानों और छोटे किसानों की संख्या में 282 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

पिछले छह वर्षों में प्रीमियम के रूप में किसानों ने 25,186 करोड़ रुपये का भुगतान किया था, जबकि 31 अक्टूबर, 2022 तक किसानों को उनके दावों के आधार पर 1,25,662 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। उल्लेखनीय है कि केंद्र और राज्य सरकारें योजना के तहत अधिकतम प्रीमियम वहन करती हैं।

जिन राज्यों ने योजना को लागू किया है, वे आगे बढ़ रहे हैं और उन राज्यों में रबी 22-23 के तहत किसानों का पंजीकरण भी बढ़ रहा है।

एक वर्ष तक और मुफ्त अनाज देगी मोदी सरकार

केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत बांटे जाने वाले मुफ्त अनाज वाली योजना एक साल तक के लिए बढ़ा दी है। इस निर्णय से देश के 81 करोड़ से अधिक लोगों को लाभ होगा। भारत सरकार इस योजना के तहत अभी तक 1.80 लाख करोड़ रूपये की सहायता दे चुकी है। अब और 2 लाख करोड़ रुपए इस मद में खर्च किये जायेंगे। अब यह 2023 के 31 दिसंबर तक लागू रहेगी। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने इसके बारे में जानकारी दी है।

केंद्र सरकार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत चावल, गेहूं और मोटा अनाज देती है। केंद्र की मोदी जी की सरकार कोरोना लॉकडाउन के समय से ही प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत 2020 से मुफ्त अनाज दे रही है। केंद्रीय कैबिनेट की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री

पीयूष गोयल ने इस फैसले की जानकारी दी है। उन्होंने कहा है कि अब इस योजना पर अमल शुरू हुए 28 महीने हो चुके हैं। यह स्कीम पहले कई बार बढ़ाई जा चुकी है और अभी इसकी मियाद इसी महीने खत्म होने वाली थी। श्री गोयल के अनुसार बीते 28 महीनों में सरकार ने मुफ्त अनाज स्कीम पर 1.80 लाख करोड़ रुपए खर्च किए हैं। ●●●

गुजरात में लगातार 7वीं बार प्रचंड जीत

182 सीटों में से 156 सीटों पर भाजपा का कब्जा

भारतीय जनता पार्टी ने गुजरात विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए प्रदेश की 182 सीटों में से 156 सीटों पर जीत दर्ज की। इन चुनावों में विपक्षी दल कांग्रेस को जनता ने नकार दिया तथा इसे 20 से भी कम सीटें मिलीं। वहीं गुजरात की राजनीति में प्रवेश करने वाली आम आदमी पार्टी को पांच सीटें प्राप्त हुईं। भाजपा शासित गुजरात के सभी 33 जिलों के लिए एक और पांच दिसंबर को दो चरणों में मतदान हुआ। इन चुनावों में कुल 70 राजनीतिक दल और 624 निर्दलीय उम्मीदवार मैदान में थे। 2017 के विधानसभा चुनावों में भाजपा को 99

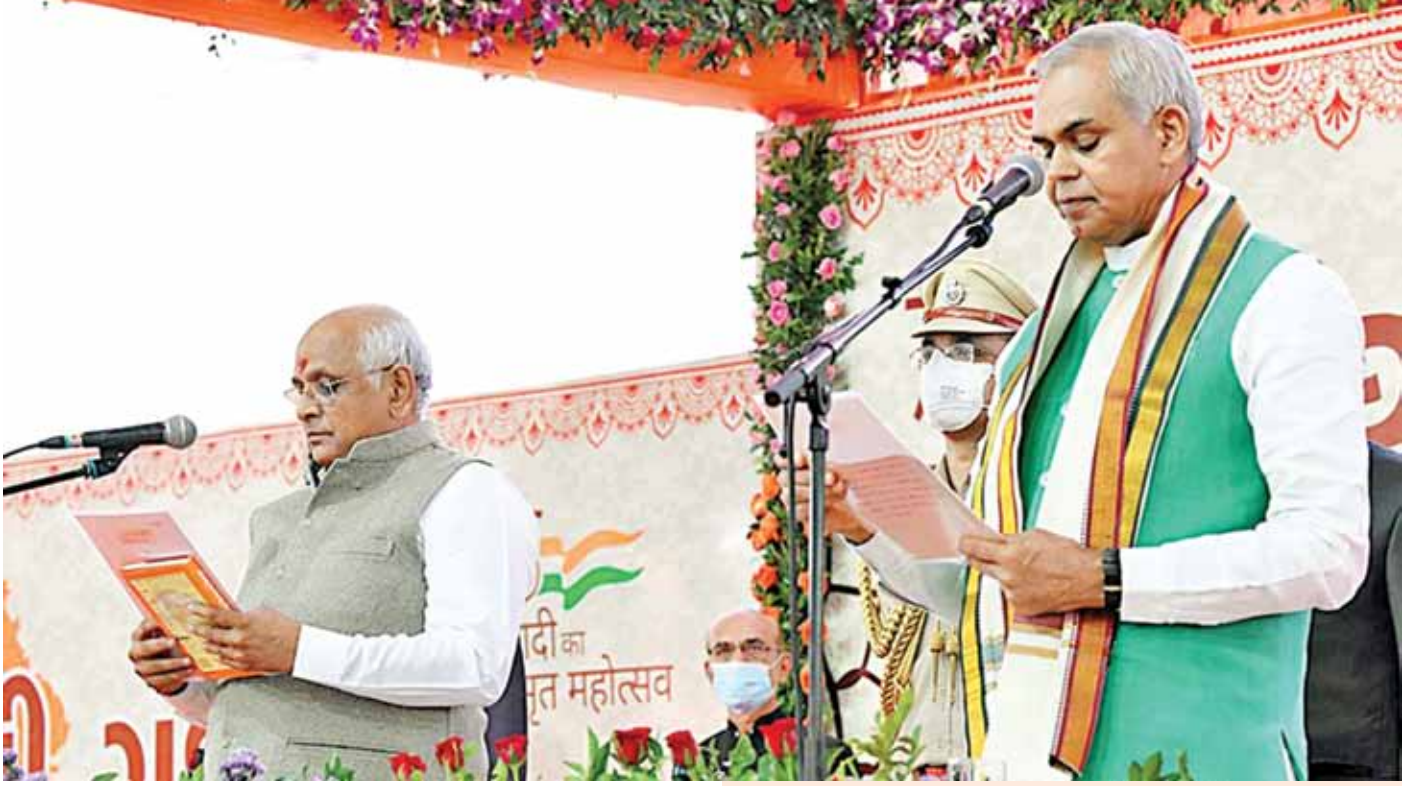

सीटें तथा कांग्रेस को 77 सीटें मिली थीं, जबकि दो सीटें बीटीपी, एक एनसीपी और तीन निर्दलीय ने जीती थीं।

गुजरात में 27 वर्षों तक शासन करने के बावजूद भाजपा ने 08 दिसंबर, 2022 को घोषित गुजरात विधानसभा चुनावों में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 182 विधानसभा सीटों में से 156 सीटें जीतकर सातवीं बार सत्ता में वापसी की और 52.5 प्रतिशत मत हासिल किये। इस बार सत्तारूढ़ भाजपा ने 2002 में मुख्यमंत्री के रूप में श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जीती गई 127 सीटों के अपने पिछले रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। प्रदेश में शानदार प्रदर्शन करते हुए भाजपा ने अपने प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस को 17 सीटों के अब तक के सबसे खराब प्रदर्शन तक सीमित कर दिया। वहीं आम आदमी पार्टी के सरकार बनाने के लंबे-चौड़े दावों को खोखला साबित कर उसे केवल पांच सीटों पर संतोष करना पड़ा। कांग्रेस पार्टी को मात्र 27.3 प्रतिशत प्राप्त हुए। यह वही पार्टी है जिसे 1985 में 149 सीटें मिली थीं, आज उसका मत प्रतिशत भाजपा से लगभग आधा है, जबकि आप को 12.9 प्रतिशत मत मिले। इन दोनों दलों का कुल मत प्रतिशत भी भाजपा के मत प्रतिशत से कम है, यह बात ही प्रदेश में भाजपा की विशाल जीत को प्रमाणित करती है।

गुजरात में 27 वर्षों तक शासन करने के बाद भी भाजपा का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

चुनाव परिणामों के बाद कार्यकर्ताओं और मतदाताओं को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, "मैं अभूतपूर्व चुनाव परिणामों को देखकर बहुत अभिभूत हूं। लोगों ने विकास की राजनीति को आशीर्वाद दिया है और साथ ही इच्छा व्यक्त की कि विकास की यह गति ऐसे ही कायम रहे। मैं गुजरात की जनता को नमन करता हूं।" गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने घाटलोडिया विधानसभा सीट को 1.92 लाख वोटों के अंतर से जीता और उन्हें 83 प्रतिशत से अधिक मत हासिल हुए। श्री पटेल 12 दिसंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण करेंगे। इस शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा सहित अन्य वरिष्ठ नेता शामिल होंगे।

भाजपा को मिले 50% से अधिक मत

भाजपा की 'भव्य जीत' चुनावी रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि प्रदेश के चुनावों में 50 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल करना एक दुर्लभ चुनौती है। गुजरात में भाजपा की लगातार सातवीं शानदार जीत ने, जहां प्रदेश में पार्टी की ताकत को कई गुना बढ़ा दिया, वहीं देश में पार्टी की लोकप्रियता में भारी बढ़ोतरी हुई।

परिणामों से पता चलाता है कि भाजपा ने पूरे पाटीदार समुदाय के मतों को फिर से हासिल किया, जो प्रदेश की ग्रामीण, आदिवासी और ओबीसी सीटों का बहुमत है। पार्टी ने प्रदेश में अल्पसंख्यक बहुल सीटों पर भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया। श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस बार भाजपा ने प्रदेश में सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। साथ ही, इसने कांग्रेस और आप को गुजरात की राजनीति के हाशिए पर ला दिया।

गौरतलब है कि पिछले विधानसभा चुनावों की तुलना में भाजपा के वोट शेयर में काफी सुधार हुआ है। गुजरात में सत्ता-समर्थक लहर विपक्ष के उम्मीदवारों को बहा ले गई, जो प्रदेश के किसी भी हिस्से में भाजपा उम्मीदवारों के जीत के अंतर पर मामूली प्रभाव भी नहीं डाल सके।

कांग्रेस का निराशाजनक प्रदर्शन

यह कांग्रेस के लिए एक दयनीय प्रदर्शन है, जिसने 1985 में माधवसिंह सोलंकी के नेतृत्व में प्रदेश विधानसभा की कुल 182 सीटों में से रिकॉर्ड 149 सीटों पर जीत हासिल की थी। 2017 के पिछले विधानसभा चुनावों में भी कांग्रेस ने 77 सीटें जीती थी और उससे 41.5 प्रतिशत मत हासिल हुए थे, जबकि भाजपा की 99 सीटें थीं और पार्टी को 49.1 प्रतिशत मिले थे।

प्रधानमंत्री जी का भाजपा मुख्यालय में संबोधन

जनता का भरोसा भाजपा पर है...

विधानसभा चुनावों और उपचुनावों में पार्टी की शानदार जीत के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आठ दिसंबर, 2022 को नई दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जनता और भाजपा कार्यकर्ताओं को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि हमारा मत प्रतिशत आने वाले दिनों का स्पष्ट संकेत है।

प्रधानमंत्री ने कहा, "आज का दिन बहुत ही ऐतिहासिक है। मैं जनता जनार्दन के सामने नतमस्तक हूं, ये जनादेश अभिभूत करने वाला है। आदरणीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी के नेतृत्व में भाजपा के कार्यकर्ताओं ने जो परिश्रम किया है, उसकी खुशबू आज हम चारों तरफ अनुभव कर रहे हैं। गुजरात की जनता, गुजरात के कार्यकर्ता और तमाम कार्यकर्ता जो हिमाचल प्रदेश और दिल्ली में कार्यरत रहे, उन्हें मैं तहे-दिल से बहुत-बहुत बधाई देता हूं और अभिनंदन करता हूं।" श्री मोदी ने आगे कहा कि भाजपा के प्रति जनता का प्यार उपचुनावों में भी दिखा। बिहार में कुढ़नी और उत्तर प्रदेश के रामपुर में भी भाजपा जीती है। बिहार के चुनावों में भाजपा का प्रदर्शन आने वाले दिनों में भाजपा की जीत दिखा रहा है।

गुजरात ने तो कमाल ही कर दिया

गुजरात परिणामों पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा गुजरात ने तो कमाल ही कर दिया है। चुनावों के दौरान मैंने गुजरात की जनता से कहा था, इस बार नरेन्द्र का रिकॉर्ड टूटना चाहिए। गुजरात की जनता ने तो रिकॉर्ड तोड़ने में भी रिकॉर्ड कर दिया। जनता ने गुजरात के इतिहास का सबसे प्रचंड जनादेश भाजपा को देकर नया इतिहास रच दिया है। ढाई दशक से लगातार सरकार में रहने के बावजूद ऐसा प्यार अभूतपूर्व है। लोगों ने जाति-वर्ग आदि विभाजन से ऊपर उठकर भाजपा को वोट दिया।

युवाओं ने हमारे काम को जांचा, परखा और उस पर भरोसा किया

इस चुनाव में वोट देने वाले एक करोड़ से भी ज्यादा ऐसे मतदाता थे, जिन्होंने कांग्रेस का कुशासन नहीं देखा, केवल भाजपा की ही सरकार देखी। युवा सवाल पूछना जानते हैं। युवा तभी वोट देते हैं, जब उन्हें भरोसा दिखता है, जब उन्हें काम दिखता है। युवाओं ने भाजपा को वोट देकर संदेश दिया है कि युवाओं ने हमारे काम को जांचा, परखा और उस पर भरोसा किया। युवा भाजपा की विकास वाली योजनाएं चाहते हैं। युवाओं को न जातिवाद चाहिए, न परिवारवाद। युवाओं का दिल विजन और विकास से ही जीता जा सकता है। गुजरात के नतीजों ने सिद्ध कर दिया है कि देश के सामने जब कोई चुनौती होती है तो जनता का भरोसा भाजपा पर होता है। देश पर कोई संकट आता है तो जनता का भरोसा भाजपा पर होता है। देश बड़े लक्ष्य तय करता है तब जनता का भरोसा भाजपा पर होता है।

जनता शॉर्ट-कट की राजनीति का नुकसान जानती है

हम सिर्फ घोषणा करने के लिए घोषणा नहीं करते। हमारी हर घोषणा के पीछे एक रोडमैप होता है। देश आज शॉर्टकट नहीं चाहता। देश का मतदाता इतना जागरूक है कि उसे पता है— क्या उसके हित में है और क्या उसके अहित में है। वह शॉर्ट-कट की राजनीति का नुकसान जानता है। आज देश में कोई संशय नहीं कि अगर देश रहेगा, देश समृद्ध होगा तो सबकी समृद्धि तय है।

हमें 'इंडिया फर्स्ट' की भावना के साथ आगे बढ़ना है

समाज के बीच खाई खोदने वालों को जनता देख भी रही है और समझ भी रही है।

हमारा भविष्य फॉल्ट लाइन को गिराकर ही उज्ज्वल होगा। लड़ने के लिए सैकड़ों वजह हो सकती हैं, लेकिन जुड़ने के लिए एक वजह काफी है, वह है हमारा भारत। जीने के लिए और मरने के लिए इससे बड़ी वजह और कोई नहीं हो सकती है। इसलिए हमें 'इंडिया फर्स्ट' की भावना के साथ आगे बढ़ना है।

गुजरात में एससी-एसटी के लिए आरक्षित 40 में से 34 सीटों पर भाजपा को जीत मिली

देश के सभी वर्गों की पहली पसंद आज भाजपा है। हमें गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों से भी खूब आशीर्वाद मिला है। एससी-एसटी के लिए आरक्षित 40 में 34 सीटों पर भाजपा को जीत मिली है। आदिवासी भाजपा को अपनी आवाज मान रहे हैं। दशकों तक जिन आदिवासियों को नजरंदाज किया गया, उनकी उम्मीदों को पूरा करने में हम लगातार जुटे हुए हैं।

देश की नारी शक्ति भाजपा पर विश्वास करती है

अगर कोई ईमानदारी से आत्मचिंतन करे, तो आजादी के बाद से पहली बार आज देश में पहली ऐसी सरकार है जो महिलाओं की समस्याएं और जरूरतें समझने का प्रयास कर रही है और उनके लिए योजनाएं बनाने का काम कर रही है। हर महिला के कल्याण और उनके जीवन के उत्थान के लिए जितना भाजपा की सरकार ने किया है, उतना किसी ने भी नहीं किया। भाजपा के आठ साल के काम अन्य सरकारों के पचास साल के काम से भी ज्यादा है।

हिमाचल को लेकर हमारी प्रतिबद्धता शत-प्रतिशत रहेगी

हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री ने कहा मैं हिमाचल के हर मतदाता का भी आभारी हूं। हिमाचल के चुनाव में एक प्रतिशत से भी कम अंतर पर हार जीत का फैसला हुआ है। इतना कम अंतर हिमाचल में वर्षों से नहीं देखा गया। भाजपा भले ही हिमाचल में एक प्रतिशत से भी कम वोट के अंतर से पीछे रह गई, लेकिन विकास के लिए हमारी प्रतिबद्धता शत-प्रतिशत रहेगी। हिमाचल से जुड़े हर विषय को हम पूरी मज़बूती से उठाएंगे।

आप में से प्रत्येक एक चैंपियन है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने गृह राज्य गुजरात में जीत सुनिश्चित करने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया। "सभी मेहनती भाजपा कार्यकर्ताओं को मैं कहना चाहता हूं— आप में से प्रत्येक एक चैंपियन है! यह ऐतिहासिक जीत हमारे कार्यकर्ताओं की असाधारण मेहनत के बिना संभव नहीं थी, जो हमारी पार्टी की असली ताकत हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भाजपा को मिले स्नेह और समर्थन के लिए हिमाचल प्रदेश के लोगों का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, "हम आने वाले समय में राज्य की आकांक्षाओं को पूरा करने और लोगों के मुद्दों को उठाने के लिए काम करते रहेंगे।"

हिमाचल प्रदेश की जनता को स्नेह और समर्थन देने के लिए धन्यवाद देता हूं: पीएम

हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में प्रमुख लड़ाई भाजपा और कांग्रेस के बीच रही। प्रदेश में विधानसभा की 68 सीटें हैं और बहुमत का आंकड़ा 35 है। चुनाव आयोग द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार विधानसभा चुनावों में कांग्रेस एक प्रतिशत से भी कम मतों के अंतर के साथ भाजपा से आगे निकल गई।

इन चुनावों में कांग्रेस पार्टी को 40, भाजपा को 25 और निर्दलियों को तीन सीटों पर जीत हासिल हुई। उल्लेखनीय है कि हिमाचल प्रदेश के पिछले लगभग चार दशकों के राजनीतिक इतिहास में किसी भी मौजूदा सरकार को सत्ता में वापसी करने का मौका नहीं मिला है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश में पार्टी कार्यकर्ताओं का अभिवादन किया। दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, "मैं चुनाव आयोग को शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव कराने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। जहां तक मेरी जानकारी है, किसी भी मतदान केंद्र पर पुनर्मतदान की आवश्यकता नहीं पड़ी। मैं हिमाचल के मतदाताओं को भी धन्यवाद देना चाहता हूं। भाजपा और कांग्रेस के मतों में 1 प्रतिशत से भी कम का अंतर था।" प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आगे कहा, "भाजपा को मिले स्नेह और समर्थन के लिए मैं हिमाचल प्रदेश की जनता का धन्यवाद करता हूं। हम आने वाले समय में प्रदेश की आकांक्षाओं को पूरा करने और लोगों के मुद्दों को उठाने के लिए काम करते रहेंगे।"

यह विकास, सुशासन और लोक कल्याण के प्रति प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिबद्धता की जीत है: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने आठ दिसंबर, 2022 को गुजरात विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत का श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की विश्वसनीयता और उनके नेतृत्व में जनता के भरोसे को दिया।

श्री नड्डा ने कहा आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में गुजरात में भारतीय जनता पार्टी ने आजादी के बाद के अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। भाजपा को इस बार के चुनाव में गुजरात में 52.5% वोट और 182 में से 156 सीटें मिली हैं। गुजरात में आज तक किसी भी पार्टी को इतने वोट प्रतिशत और इतनी सीटें नहीं मिल पाई थीं।

कांग्रेस पर हमला करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि पिछली बार गुजरात विधानसभा में कांग्रेस का वोट शेयर 41.4 प्रतिशत था, जो इस बार घटकर 27.3 प्रतिशत पर आ गया है। उसकी सीटें भी 77 से घटकर महज 17 रह गई हैं। यह कांग्रेस की गैर-जिमेदाराना विपक्षी संस्कृति और उनकी नकारात्मक और वंशवाद एवं परिवारवाद की राजनीति की हार है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आगे कहा कि एक और पार्टी यहां चुनाव लड़ने के लिए आई थी। उसका पूरा फोकस गुजरात के अपमान पर केन्द्रित था। उसके नेता कागज लेकर घूमते थे कि गुजरात में उसकी सरकार आ रही है। जो नेता लिख कर दावा करते थे कि आम आदमी पार्टी को इतनी सीटें आएंगी, उनके तमाम बड़े नेता गुजरात में चुनाव हार गए हैं। ये बताता है कि गुजरात की जनता झूठे वादों और मुफ्त की राजनीति करने वालों में विश्वास नहीं रखती।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कहा कि गुजरात चुनाव में पार्टी की ऐतिहासिक जीत विकास, सुशासन और लोक कल्याण के प्रति प्रधानमंत्री श्री मोदी की प्रतिबद्धता की जीत है। गुजरात ने पिछले दो दशकों में मोदी जी के नेतृत्व में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं और आज गुजरात के लोगों ने भाजपा को आशीर्वाद दिया है और जीत का नया कीर्तिमान बनाया है। उन्होंने कहा, 'हर तबके ने दिल से भाजपा को आशीर्वाद दिया है। यह भाजपा की नीतियों में लोगों के अटूट विश्वास की जीत है।"

कार्यकर्ताओं को ऐतिहासिक जीत के लिए धन्यवाद

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इस शानदार जीत के लिए कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया और कहा कि गुजरात में भाजपा की आज की जीत स्वतंत्र भारत में किसी भी प्रदेश के लिए सबसे बड़ी जीत है और यह बड़ी जीत मोदी जी की वजह से है। हमें यह जीत 'विकासवाद की राजनीति'— 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के कारण मिला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कारण ही गरीब से गरीब व्यक्ति सम्मान का जीवन जी रहा है। गरीब को बिजली मिलती है, शिक्षा मिलती है, स्वास्थ्य मिलता है, महिलाओं को सुरक्षा मिलती है, जीवन में आगे बढ़ने का मौका मिलता है। यही कारण हैं कि हमने और गुजरात के जनता ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

भाजपा ने इतिहास रचा, सारे रिकॉर्ड तोड़ दिएः राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने गुजरात विधानसभा चुनाव में पार्टी की ऐतिहासिक जीत के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और उनकी विश्वसनीयता को श्रेय दिया। उन्होंने प्रदेश में पार्टी के प्रदर्शन के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल और पार्टी प्रदेश अध्यक्ष श्री सी.आर. पाटिल को भी बधाई दी।

सभी गुजरात विरोधी ताकतें हार चुकी हैंः सी.आर. पाटिल

गुजरात भाजपा अध्यक्ष श्री सी.आर. पाटिल ने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि इस पार्टी ने गुजरात के लोगों को 'उपहार' की राजनीति के माध्यम से नीचा दिखाने का प्रयास किया। लेकिन आम आदमी पार्टी ने कभी गुजराती अस्मिता के बारे में नहीं सोचा और कभी भी गुजराती लोगों के मानस से नहीं जुड़ पाए, तो, सभी गुजराती विरोधी ताकतें हार गई हैं... कांग्रेस को आत्मनिरीक्षण करना चाहिए कि वह जनता का समर्थन क्यों खो रही है।'

गुजरात ने भाजपा को दिया आशीर्वाद, तोड़े जीत के सारे रिकॉर्डः अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने गुजरात विधानसभा चुनाव परिणाम ने खोखले वादों, मुफ्तखोरी और तुष्टीकरण की राजनीति करने वालों को नकार दिया है। श्री शाह ने कहा कि वह इस ऐतिहासिक जीत पर गुजरात के लोगों को नमन करते हैं और यह "प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकास मॉडल में जनता के अटूट विश्वास" को दर्शाता है। श्री शाह ने कहा, "बीते दो दशकों में मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा ने गुजरात में विकास के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए और आज गुजरात की जनता ने भाजपा को आशीर्वाद देकर जीत के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

देश विरोधी तत्वों को गुजरात की जनता ने खारिज कियाः भूपेंद्र पटेल

गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि राज्य के लोगों ने विधानसभा चुनाव में देश विरोधी तत्वों को खारिज कर दिया है और एक बार फिर प्रधानमंत्री श्री मोदी और भाजपा नेतृत्व में विश्वास जताया है। गांधीनगर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री पटेल ने कहा, "गुजरात के लोगों ने एक बार फिर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा नेतृत्व में विश्वास जताया है। अगर गुजरात की जनता ने भाजपा को चुना है, तो हमें उनकी उम्मीदों पर खरा उतरना होगा।" उन्होंने कहा, "गुजरात के लोगों ने इस चुनाव में राष्ट्र-विरोधी तत्वों को खारिज कर दिया है और राज्य में भाजपा के विकास के ट्रैक रिकॉर्ड को वोट दिया है।" ●●●

नेहरू युग की हिमालयी भूल

कैप्टन आर. विक्रम सिंह

बिगड़ैल पड़ोसियों के दुस्साहस के पीछे हमारी यह रक्षात्मक नीति है कि हम अपनी ओर से आक्रामक पहल नहीं करेंगे। बेलगाम चीन को सही संदेश देने के लिए भारत को उन देशों से संपर्क-संवाद बढ़ाकर आर्थिक एवं सैन्य सहयोग कायम करने के लिए भी सक्रिय होना चाहिए जो उसकी दादागीरी से पीड़ित हैं। इसके अतिरिक्त भारत को तिब्बत और ताइवान के मसले पर भी मुखर होना होगा।

चीन ने इस बार अरुणाचल के तवांग सेक्टर में गलवन जैसी घटना दोहराने का दुस्साहस किया। चीनी सैनिक संभवतः मौसम और बादलों की आड़ में नई पोस्ट बनाने के उद्देश्य से दो-तीन कंपनियां लेकर आए थे। वे अपने उद्देश्य में न केवल असफल रहे, बल्कि उन्हें अपने घायल साथियों के साथ लौटना पड़ा। दरअसल, हमारे बिगड़ैल पड़ोसियों को ऐसे दुस्साहस करने की ताकत के पीछे हमारी पारंपरिक रक्षात्मक नीति रही है कि भारत अपनी ओर से आक्रामक पहल नहीं करेगा। हां, भीषण प्रतिक्रिया अवश्य देगा। यह नीति हमारे शत्रुओं चीन और पाकिस्तान को रणनीतिक सुविधा देती है। इसकी वजह से हमें बार-बार क्षति उठानी पड़ी है। इसे समग्रता में समझने के लिए हमें इतिहास के पन्ने पलटने होंगे कि आखिर यह बीमारी हमारी सामरिक नीति में कैसे घुस आई? इसकी पड़ताल में पाएंगे कि अपनी रक्षा समस्याओं के जनक हम खुद हैं।

एक समय अमेरिकी राष्ट्रपति कैनेडी भारत को परमाणु हथियार बनाने में सहायता देने को तैयार थे, लेकिन नेहरू ने उसे नकार दिया। नेहरू ने ही सुरक्षा परिषद में भारत को स्थायी सीट की पेशकश को भी चीन की झोली में डाल दिया। सेनाओं का आधुनिकीकरण तो दूर वह सैनिकों को रिटायर करके घर भेजने में लगे रहे। नवंबर 1947 में कश्मीर में बढ़ रही सेना को भारत ने आधे रास्ते में ही रोक दिया। फिर 20 नवंबर, 1962 को चीन से पूर्ण पराजय के बाद भी भारत असहाय था। चीनी सेनाएं सेला और बोमडिला से आगे तक आ चुकी थीं। युद्धविराम की घोषणा के बाद भी अक्साई चिन का इलाका उनके पास रहा।

चीन 1950 से ही अक्साई चिन के रास्ते तिब्बत तक रोड बनाने में लगा रहा। इसकी सूचना तत्कालीन रक्षामंत्री वीके कृष्ण मेनन और प्रधानमंत्री नेहरू तक भी पहुंची होगी। वायुसेना ही इस चीनी सड़क निर्माण को रोक सकती थी। 1962 का युद्ध भारत के अस्तित्व का संकट था, लेकिन युद्ध में एयरफोर्स के बांबर-फाइटर्स का उपयोग ही नहीं होने दिया गया। कम से कम अब तो यह समझा जाना चाहिए कि हमारी रक्षात्मक नीतियां हमारे अपमान का कारण रही हैं। यदि हम चीन को कठोर संदेश देने की रणनीति नहीं बनाते तो गलवन और तवांग जैसी घटनाओं का सिलसिला थमने वाला नहीं।

एक समय अमेरिकी राष्ट्रपति कैनेडी भारत को परमाणु हथियार बनाने में सहायता देने को तैयार थे, लेकिन नेहरू ने उसे नकार दिया। नेहरू ने ही सुरक्षा परिषद में भारत को स्थायी सीट की पेशकश को भी चीन की झोली में डाल दिया। सेनाओं का आधुनिकीकरण तो दूर वह सैनिकों को रिटायर करके घर भेजने में लगे रहे।

1962 से पूर्व 1947-48 के प्रथम कश्मीर संघर्ष में कश्मीर का लगभग 86 हजार वर्ग किमी क्षेत्र पाकिस्तान के कब्जे में जा चुका था। अफसोस यह था कि कबायलियों को खदेड़ रही भारतीय सेनाओं को उड़ी में ही कैंप करने को बाध्य किया गया। 161 ब्रिगेड के कमांडर ब्रिगेडियर सेन ने लिखा कि हम समझ नहीं पा रहे थे कि हमें क्यों आगे जाने से रोक दिया गया? वह 13 नवंबर, 1947 की तारीख थी। हमारी सेना आसानी से मुजफ्फराबाद तक पहुंच जाती, लेकिन उसके कदम रोक दिए गए। इस तरह गुलाम कश्मीर अस्तित्व में आया। दक्षिण में उड़ी से हाजीपीर पास से होता हुआ पुंछ तक जाने वाला 30 किमी का रास्ता उड़ी की इसी 161 ब्रिगेड के नियंत्रण में आ गया था। यह उड़ी पुंछ लिंक मार्ग एक ऐसा वैकल्पिक एवं रणनीतिक महत्व का मार्ग था, जो जम्मू को उड़ी और फिर कुपवाड़ा-बारामुला तक जोड़ता था। इससे सेना के लिए गुलाम कश्मीर के 10 जिलों के लिए अभियान की राह खुल गई थी। यह लिंक जम्मू को गूजर-बकरवालों से जोड़कर जम्मू की राजनीतिक भूमिका को कश्मीर के मुकाबले अधिक सशक्त बना रहा था। नए ब्रिगेडियर एंडरसन की अनुभवहीनता का लाभ उठाकर पाकिस्तानियों ने आक्रमण कर हाजीपीर के रास्ते की चौकियों पर कब्जा कर लिया। फिर दिसंबर 1948 में ठंड का बहाना लेकर ब्रिगेडियर एंडरसन ने सैनिकों को हाजीपीर कांपलेक्स की अन्य पहाड़ियों से वापस बुला लिया। जब एक जनवरी, 1949 को युद्धविराम हुआ तो हाजीपीर पर पाकिस्तानी झंडा फहराता दिखा।

नेहरू जैसा प्रधानमंत्री संभवतः विश्व में कोई दूसरा नहीं हुआ होगा, जो सुरक्षा परिषद से अपनी ही सेनाओं के विरोध में युद्धविराम कर आए। इससे हाजीपीर दर्रा और उड़ी-पुंछ मार्ग पाकिस्तान को एक तरह से तश्तरी में

तवांग में चीनी सैनिकों के दांत खट्टे किया भारतीय जवानों ने। फाइल फोटो

परोसकर दे दिया गया। हम यह भूल नहीं सकते कि गिलगित-बाल्टिस्तान के उत्तरी इलाके में गिलगित एजेंसी के ब्रिटिश एजेंट मेजर ब्राउन ने किस तरह भारत से विद्रोह कर वहां की मुस्लिम कंपनियों से सारे सिख डोगरा सैनिकों को मरवा दिया। कारगिल से मेजर थापा के नेतृत्व में डोगरा और स्थानीय लद्दाखी सैनिकों की एक कंपनी ने आगे बढ़कर स्कर्दू में मोर्चा लगाया, लेकिन सैन्य सहायता और रसद भेजने का समय रहते कोई प्रयास ही नहीं किया गया। सैनिकों को स्थानीय गैर-मुस्लिमों और उनके परिवारों को लेकर किले में शरण लेनी पड़ी। ब्रिटिश योजना में गिलगित-बाल्टिस्तान पाकिस्तान को जाना था। इसीलिए उस कंपनी को मरने के लिए छोड़ दिया गया। अंततः जब आखिरी कारतूस भी नहीं बचा और महीनों से एक वक्त के भोजन पर रह रहे सैनिकों के पास भोजन न रहा, तब उन्हें 10 महीनों तक घिरे रहने के बाद पाकिस्तानियों के सामने 14 अगस्त, 1948 को आत्मसमर्पण करना पड़ा। मेजर थापा और उनके अर्दली को छोड़कर शेष सभी सैनिक और हिंदू-बौद्ध नागरिक मार दिए गए।

सत्य-अहिंसा की गांधीवादी नीति हमारी आंतरिक समरसता के लिए थी। नेहरू ने इसे देश की सुरक्षा में भी लागू कर दिया। जब सेनाध्यक्ष जनरल लोकहार्ट ने 1946 में नेहरू को भारत की उत्तरी सीमाओं और तिब्बत की सुरक्षा की योजना बतानी चाही तो नेहरू ने उन्हें फटकारते हुए कहा कि, 'सब बकवास है, हमें सेनाओं की कोई जरूरत नहीं है। इन्हें घर भेज दो। हमारा काम पुलिस से चल जाएगा।'

नेहरू जैसा प्रधानमंत्री संभवतः विश्व में कोई दूसरा नहीं हुआ होगा, जो सुरक्षा परिषद से अपनी ही सेनाओं के विरोध में युद्धविराम कर आए। इससे हाजीपीर दर्रा और उड़ी-पुंछ मार्ग पाकिस्तान को एक तरह से तश्तरी में परोसकर दे दिया गया।

यही मानसिकता 1947 के बाद कश्मीर में पिछड़ने और फिर 1962 में चीन से भीषण पराजय का कारण बनी। यदि कश्मीर में विजय पूर्ण होने दी गई होती तब संभवतः चीन से युद्ध भी न होता। हमने पाकिस्तान को गिलगित-बाल्टिस्तान भी दे दिया और आतंकवाद भी झेल रहे हैं। आज उसी गिलगित-बाल्टिस्तान की वापसी के लक्ष्य को जमीन पर उतारने के लिए हमें नेहरू की रक्षानीति की समीक्षा कर आक्रामक रणनीति अपनाने की आवश्यकता है, जिससे भविष्य में कोई गलवन या तवांग जैसा दुस्साहस न कर सके। ●●●

(लेखक पूर्व सैनिक एवं पूर्व प्रशासक हैं)

लेख 'नई दुनिया' से साभार

युवा मोर्चा ने किया बिजली दफ्तर का घेराव

भाजपा के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने पूर्व मंत्री राजेश मूणत की अगुवाई में मंगलवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा के बैनर तले रायपुर के गुढ़ियारी स्थित बिजली दफ्तर का घेराव किया। बिजली बिल वृद्धि के विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने दोपहर एक बजे बिजली दफ्तर का घेराव कार्यक्रम शुरू किया। इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं की बीच झड़प देखने मिली। भारतीय जनता युवा मोर्चा के इस प्रदर्शन के दौरान युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत समेत पार्टी के कई पदाधिकारी शामिल हुए। जिसमें पूर्व विधायक नंदकुमार साहू, वरिष्ठ नेता मोतीलाल साहू, प्रदेश प्रवक्ता संजय श्रीवास्तव ,युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और प्रवक्ता अमित साहू, पूर्व जिला अध्यक्ष राजीव अग्रवाल, लक्ष्मी वर्मा समेत कई वरिष्ठ नेताओं थे। पूर्व मंत्री राजेश मूणत की अगुवाई में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने पुलिस की घेराबंदी के बावजूद बिजली दफ्तर का घेराव करने सफलता पा ली। मौके पर मौजूद पुलिस फोर्स कार्यकर्ताओं को रोक नहीं सकी और घेराबंदी के लिए लगाए गए बैरिकेड को पार करते हुए कार्यकर्ता बिजली दफ्तर के भीतर दाखिल हो गए और अपनी आवाज़ बुलंद की।

'प्रधानमंत्री आवास योजना' रोककर गरीबों के साथ अन्याय कर रही है कांग्रेस सरकार : भाजपा

सांसद अरुण साव ने राज्य की कांग्रेस सरकार द्वारा राज्यांश के नाम पर प्रधानमंत्री आवास रोके जाने का मामला लोकसभा में उठाते हुए कहा कि आज छत्तीसगढ़ के गांव-गांव में - 'मोर आवास - मोर अधिकार, रोक के रखे हे कांग्रेस सरकार' का नारा गूंज रहा हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं सांसद अरुण साव ने लोकसभा में शून्यकाल के दौरान लोक महत्व के विषय के रूप में प्रधानमंत्री आवास रोके जाने का मामला उठाया। सांसद साव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने 'प्रधानमंत्री आवास योजना' बनाकर गरीबों के सपने को साकार करने का बीड़ा उठाया है, ताकि गरीबों को पक्का मकान मिल सके। परंतु आज छत्तीसगढ़ के गांव-गांव में 'मोर आवास - मोर अधिकार, रोक के रखे हे कांग्रेस सरकार' का नारा गूंज रहा है, क्योंकि राज्य की कांग्रेस सरकार ने राज्यांश के नाम पर 11 लाख से अधिक गरीब परिवारों का प्रधानमंत्री आवास रोक दिया हैं, इसलिए आज गांव-गांव में यह नारा गूंज रहा है:- 'मोर आवास - मोर अधिकार, रोक के रखे हे, कांग्रेस सरकार'।

चिकित्सा प्रकोष्ठ की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक

कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में प्रदेश संयोजक डॉ. विमल चोपड़ा एवं प्रदेश उपाध्यक्ष श्री मोतीलाल साहू की उपस्थिती में सम्पन्न हुई। प्रदेश भर के उपस्थित कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए डॉ विमल चोपड़ा ने कहा कि चिकित्सा प्रकोष्ठ की गतिविधियों से भारतीय जनता पार्टी का आधार बढ़े इस हेतु हमें लगातार कार्य करना है। चिकित्सा शिविर एवं अन्य सामाजिक गतिविधियों से नये कार्यकर्ताओं को जोड़कर अपनी गतिविधियों का विस्तार करना है। भारत को परम वैभव में ले जाने एवं अपनी पुरातन संस्कृति की रक्षा के लिए भाजपा की सरकार स्थापित करना आवश्यक है।

प्रदेश उपाध्यक्ष मोतीलाल साहू ने अपने उद्बोधन में चिकित्सकों को मानव सेवा का प्रथम पायदान बताया है। कांग्रेस सरकार द्वारा किये जा रहे भ्रष्टाचार पर कहा कि ईडी एवं इन्कम टैक्स के छापे ने सरकार के भ्रष्टाचार को उजागर किया है। भ्रष्टाचारियों को कवच प्रदान करने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री को सामने आना प्रदेश के लिए लज्जा जनक है। प्रदेश को आज कांग्रेस की सरकार ने अराजकता की भट्ठी में झोंक दिया है। कार्यक्रम का प्रारंभ भारत माता, पं. दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर दीप प्रज्जवलन व माल्यार्पण कर डॉ. विमल चोपड़ा ने किया। तत्पश्चात चिकित्सा क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं एवं प्रकोष्ठ के विस्तार पर कार्यकर्ताओं ने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम के अंत में फरवरी के प्रथम सप्ताह में छत्तीसगढ़ स्तरीय चिकित्सकों का सम्मेलन रायपुर में रखने का निर्णय लिया गया। बैठक में प्रदेश की वर्तमान स्वास्थ्य सेवाओं की दुर्व्यवस्था एवं केन्द्र सरकार के सराहनीय कार्यों के संबंध में प्रस्ताव पारित किया गया।

कांग्रेस नेता की सरेआम हत्या भी जंगल राज का प्रमाण : कौशिक

छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने बिलासपुर में कांग्रेस नेता व जिला महासचिव संजू त्रिपाठी की हत्या की घोर निंदा करते हुए कहा है कि कांग्रेस गौरव दिवस मना रही है और उसके नेताओं की हत्या हो रही है। यह कैसा गौरव है? यह कांग्रेस का राज है या गुंडाराज है?

श्री कौशिक ने कहा कि कांग्रेस नेता पर फिल्मी अंदाज में गोलियों की बौछार कर सरेआम हत्या कांग्रेस के जंगल राज का प्रमाण है। जिस प्रकार छत्तीसगढ़ में अपराधी बेखौफ होकर जघन्य अपराध कर रहे हैं। राह चलते गोलीबारी कर लोगों को उड़ाया जा रहा है, उससे स्पष्ट है कि यहां सरकार जैसी कोई संस्था रह ही नहीं गई है। सरकार के नाम पर एक ऐसा ढांचा खड़ा है, जिसमें चेतना, शक्ति और संवेदना नहीं है।

छत्तीसगढ़ की कानून व्यवस्था पूरी तरह चौपट हो गई है और राज्य में गुंडाराज कायम हो गया है। सत्ताधारी पार्टी के पदाधिकारी को सरेआम गोली मारकर मौत के घाट उतार दिए जाने की हिम्मत अपराधी तत्व कर सकते हैं तो आम जनता की सुरक्षा की गारंटी कौन दे सकता है। बिलासपुर में इसके पहले सराफा कारोबारी पर दुकान में घुसकर गोली चलाई गई। मुख्यमंत्री के क्षेत्र दुर्ग जिले के अमलेश्वर में सराफा कारोबारी पर दनादन गोलियां चला कर उसकी हत्या और लूट की गई। वारदात के वक्त मुख्यमंत्री उसी इलाके में अपना सम्मान कराकर गौरव प्राप्त कर रहे थे। क्या छत्तीसगढ़ में यही गौरव भूपेश बघेल सरकार मनाना चाहती है? पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने कहा कि राजधानी से लेकर न्यायधानी तक जंगलराज चल रहा है।

वंदे भारत

देश को एक नई रफ्तार मिलेगी : अरुण साव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा छत्तीसगढ़ को वंदे भारत सुपर स्पीड एक्सप्रेस की सौगात देने पर उपस्थित बच्चों से लेकर बड़ों तक उत्साह देखते ही बन रहा था। ढोल-नगाड़ों की आवाज और बच्चों द्वारा वंदे भारत का स्वागत है के नारों से पूरा वंदे भारत ट्रेन गूंजता रहा।

राजनांदगांव से इस ट्रेन में सवार प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने कहा कि देश को एक नई रफ्तार मोदी जी के प्रयासों से मिलेगी। मोदी जी ने छत्तीसगढ़ के विकास को रफ्तार दी है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति को देश दुनिया में भाजपा ने नई पहचान दी है। अटलजी ने छत्तीसगढ़ राज्य बनाया और मोदी जी राज्य का विकास करने हमेशा आगे रहते हैं। मोदी जी ने छत्तीसगढ़ प्रदेश को अनेक सौगातें दी है। उन्होंने कहा कि वंदे भारत ट्रेन के आने से आवागमन की सुविधा के साथ-साथ व्यापार को भी गति मिलेगी।

किस बात का गौरव दिवस मनाएंगे बघेल, एक भी काम नहीं किया, जनता अगले साल ठिकाने लगा देगी: चंद्राकर

प्रदेश भाजपा के मुख्य प्रवक्ता व छत्तीसगढ़ शासन के पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर हमला बोलते हुए कहा है कि चार साल में एक भी काम नहीं किया, वे किस बात पर गौरव दिवस मनाएंगे। उप चुनाव जीत लेने से कोई संकेत नहीं होता। संकेत तो अब मिलना शुरू होगा। जनता को चार साल से भ्रमित कर रहे हैं। जनता अब जवाब मांग रही है तो कामकाज की बजाय यहां वहां की बातें कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ की जनता के लिए, राज्य के विकास के लिए क्या किया है, इस पर जवाव दें। गौरव नहीं, वह काला दिवस है, जिस दिन भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ की जनता को बरगला कर मुख्यमंत्री बने थे और चार साल से काले कारनामे कर रहे हैं और करा रहे हैं। प्रदेश भाजपा के मुख्य प्रवक्ता पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ऐसा किया क्या है जिसका गौरव मना रहे हैं? अपनी पीठ थपथपाने का तो कोई पैसा नहीं लगता। किस बात का गौरव दिवस? कर्जा लेने का गौरव दिवस? आरक्षण नहीं देने का गौरव दिवस? सुपेबेड़ा में मौत का गौरव दिवस, लोगों को रोजगार न मिलने का गौरव दिवस? धान चोरी का गौरव दिवस, प्रधानमंत्री अन्न योजना के अनाज पर डाका डालने का गौरव दिवस?

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के नेतृत्व में वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने महामहिम से मुलाकात कर अजा के आरक्षण को 16 प्रतिशत करने की मांग की।

छ.ग. में बिगड़ती स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर पूर्व मंत्री व विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने कांग्रेस पर बोला हमला

अंबिकापुर के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एसएनसीयू वर्ल्ड 4 नवजात बच्चों की मौत का मामला अभी थमा ही नहीं था कि, स्वास्थ्य विभाग की लचर व्यवस्था का एक और मामला जनता के सामने आ गया। यह मामला कोरबा जिले के अंतर्गत वनांचल ग्राम डूमरडीह का है। अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज वाले मामले में 4 नवजात शिशुओं ने दम तोड़ा था पर यहां यहां तो गर्भस्थ शिशु दुनिया में आने से पहले ही काल के गाल में समा गया। साथ ही प्रदेश की लचर व्यवस्था ने उस गर्भस्थ शिशु की मां यानी प्रसूता की भी सांसे छीन ली। इस सारे मामले पर पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने सरकार को घेरते हुए कहा कि, छत्तीसगढ़ में 4 साल से हम सिर्फ मौतें देख रहे हैं...। यहां स्वास्थ्य विभाग को खुद, इलाज की जरूरत है। संजीवनी व महतारी एक्सप्रेस नहीं मिलने से प्रसूता की मौत गंभीर घटना है। फिर भी सरकार को फर्क नहीं पड़ेगा, क्योंकि ये जाग रहे होते तो पिछले 3 सालों में 25 हजार आदिवासी बच्चे काल के गाल में नहीं समाए होते।

कांग्रेस ने आरक्षण के खिलाफ याचिका दाखिल करने वालों की ताजपोशी की : भाजपा

छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल ने आरक्षण पर प्रस्तुत हुए विधेयक पर प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि आरक्षण के प्रति कांग्रेस की नीयत में खोट है इसमें कोई शक नहीं है इसके कई प्रमाण मौजूद है कांग्रेस सरकार पहले से लागू 58 प्रतिशत आरक्षण बचा नही पाई, आरक्षण के प्रति बदनीयती की वजह से कोर्ट में पैरवी के लिए वकील तक नहीं भेजे। पिछड़े वर्ग का आरक्षण छीनने के लिए कांग्रेस ने स्वयं अपने आदमी को भेजा और जब पिछड़े वर्ग के आरक्षण पर रोक लगी तक उस व्यक्ति की ताजपोशी हुई और उसे कबीर शोध पीठ का अध्यक्ष बनाया ।ऐसे ही आदिवासी समाज का आरक्षण छीनने वाले को एक प्रमुख आयोग का अध्यक्ष बनाया। कांग्रेस सरकार के ही दिग्गज मंत्री कवासी लखमा ने इस बात को स्वीकार किया ,आदिवासियों का आरक्षण छीनने वाले को आयोग का अध्यक्ष बनाकर गलत किया गया। कांग्रेस के ही नेता लगातार आरक्षण के खिलाफ कोर्ट जाते रहे ,जिसमें कांग्रेस की पूर्व विधायक पदमा मनहर और वरिष्ठ नेता पी आर खूंटे भी शामिल रहे। कांग्रेस द्वारा हाई कोर्ट में ठीक से पक्ष न रखने के कारण जब से आरक्षण छीना, तब से भारतीय जनता पार्टी ने लगातार प्रदेश में चक्का जाम किया भाजपा के विधायक, सांसद वरिष्ठ पदाधिकारी पैदल मार्च कर राज्यपाल से गुहार लगाने गए तब राज्यपाल ने भी स्वयं सरकार को आरक्षण जाने पर चिंता जताते हुए चिट्ठी लिखी और ऐसे में कांग्रेस के लिए पूरे प्रदेश में एक बहुत नकारात्मक माहौल निर्मित हुआ।

भूपेश गरीब का चावल खाने का पाप करने से बचें : संदीप शर्मा

प्रदेश भाजपा प्रवक्ता वरिष्ठ किसान नेता संदीप शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गरीब अन्न कल्याण योजना 1 वर्ष के लिए और बढ़ाने पर आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि केंद्र सरकार 33 माह से देश के गरीबों को प्रति माह 5 किलो अतिरिक्त अन्न दे रही है। योजना में एक वर्ष का और विस्तार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संवेदनशीलता और सुशासन का एक और प्रमाण है।

प्रदेश भाजपा प्रवक्ता संदीप शर्मा ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर हमला बोलते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के गरीबों के लिए इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी जी ने लगभग तीन करोड़ 80 लाख क्विंटल चावल भेजा, उसमें से 5 हजार करोड़ का चावल गायब कर दिया गया। पता नहीं कहां चला गया? अगर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल में जरा सी भी नैतिकता बची हो तो केंद्र द्वारा भेजे गए गरीब के हक के प्रति व्यक्ति 5 किलो चावल जरूर जनता तक पहुंचाएं। क्योंकि पहले ही यह 5000 करोड़ रुपए का घोटाला कर गरीब के हक का चावल खा चुके हैं।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता संदीप शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री गरीब का चावल खाने का जो पाप अब तक करते आये हैं, वह अब न करें। प्रधानमंत्री जो चावल भेज रहे हैं वह आपकी जेब भरने के लिए नहीं, गरीब के पेट भरने के लिए है। उन्होंने कहा कि अब भाजपा किसी को गरीब के अन्न पर डाका डालने नहीं देगी। सोच नहीं सकते थे कि कोई सरकार गरीबों का अन्न भी हड़प सकती है लेकिन कांग्रेस सरकार में ऐसा हुआ है। इसलिए केंद्र सरकार के द्वारा भेजे चावल की भारतीय जनता पार्टी निगरानी करेगी कि गरीब का हक गरीब को मिल रहा है या लूटमार चल रही है।

अमर शहीद वीर नारायण सिंह जी की पुण्यतिथि पर छत्तीसगढ़ के बालोद बस स्टैंड में स्थापित उनकी प्रतिमा पर भाजपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर उनकी शहादत को नमन किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से क्षेत्रीय संगठन महामंत्री श्री अजय जम्वाल, प्रदेश संगठन महामंत्री श्री पवन साय, प्रदेश उपाध्यक्ष भूपेंद्र सवनी, प्रदेश प्रवक्ता श्री देवलाल ठाकुर, किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री पवन साहू सहित वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गरीबों के लिए केंद्र से आए चावल में कांग्रेस ने किया 5,127 करोड़ का घोटाला : भाजपा

भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में ली गई प्रेस वार्ता में पूर्व मंत्री, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता राजेश मूणत ने एक बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि केंद्र से आए चावल में राज्य की कांग्रेस सरकार ने 5 हजार करोड़ से ज्यादा का घोटाला कर दिया है एवं 1 करोड़ 50 लाख क्विंटल चावल गायब है। विस्तार वार जानकारी देते हुए राजेश मूणत ने बताया कि वर्ष 2022 में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों के राशन कार्डों की संख्या 63 लाख 73 हजार 834 है एवं इनमें कुल सदस्य 2 करोड़ 33 लाख 18 हजार 751 है। केंद्र सरकार द्वारा कोविड महामारी के चलते गरीब परिवारों के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के अंतर्गत प्रति माह प्रति सदस्य 5 किग्रा, अतिरिक्त चावल की व्यवस्था कराई गई जो कि माह अप्रैल 2020 से दिसम्बर 2022 तक नियमित रूप से प्रदान की जा रही है। केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में निवासरत् गरीब परिवारों के लिए 11 लाख 53 हजार 380 क्विंटल प्रति माह चावल राज्य सरकार को आबंटित किया गया। इसमें कांग्रेस सरकार ने बड़ा घोटाला किया है।

बौखलाई सरकार करा रही कांग्रेसी गुंडों से पथराव : चौधरी

पथराव के विरुद्ध अगली सभा में श्री चंद्राकर हेलमेट पहनकर शामिल हुए।

प्रदेश भाजपा महामंत्री ओपी चौधरी ने पूर्व मंत्री तथा भाजपा के मुख्य प्रवक्ता अजय चंद्राकर की सभा में पथराव को कांग्रेस की कायरतापूर्ण हरकत निरूपित करते हुए कहा है कि पूरे छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी अपने विपक्ष धर्म को निभाते हुए इस भ्रष्टाचारी कांग्रेस को हटाने के लिए कांग्रेस हटाओ छत्तीसगढ़ बचाओ अभियान चला रही है और प्रत्येक विधानसभा में हमारे वरिष्ठ नेता प्रवास कर रहे हैं। भिलाई में वरिष्ठ नेता अजय चंद्राकर की सभा थी। उस सभा में उनके साथ-साथ पूर्व मंत्री दयालदास बघेल, वहां के जिला अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी के पार्षद गण, सभी वरिष्ठ जन उपस्थित थे। माताएं बहनें थीं। पुलिस प्रशासन की उपस्थिति में कार्यक्रम हो रहा था। इसमें पथराव कर कांग्रेसी सबके सामने बेनकाब हो गए हैं। कांग्रेसी कितनी भी आतंक की राजनीति करें, कांग्रेस भय और आतंक की जो राजनीति कर रही है, उसे जनता देख रही है।

रोज नया झूठ बोलती है कांग्रेस : भाजपा

भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी सीए अमित चिमनानी ने कांग्रेस द्वारा केंद्र सरकार द्वारा रॉयल्टी न दिए जाने के आरोप पर तथ्यों के साथ जवाब दिया। उन्होंने कहा कांग्रेस में झूठ बोलने की प्रतियोगिता चल रही है कुछ समय पहले कांग्रेस केंद्र से 13 हजार करोड़ की एक्साइज ड्यूटी की मांग कर रही थी तब भाजपा ने इस झूठ का पर्दाफाश कर बता दिया था यह मांग झूठी है उसके बाद कांग्रेस अब एक नया झूठ लेकर आई है जिसे वो रॉयल्टी की राशि बता रही हैं वो रॉयल्टी नही पेनाल्टी का पैसा है जो किसी राज्य को नही दिया गया क्युकी ऐसा करना नियम विरुद्ध है। लेकिन कांग्रेस जो हर तरफ से घिर चुकी उसे झूठ बोलने के अलावा कुछ सूझ नही रहा। सीए अमित ने कहा मुख्यमंत्री सहित पूरे कांग्रेसी मंत्रिमंडल को मा.प्रधानमंत्री से समय लेकर उन्हें धन्यवाद देने जाना चाहिए। कांग्रेस के लगातार झूठे आरोपों के बाद भी उन्होंने कांग्रेस सरकार को केवल 4 वर्षो में 1 लाख 71 हजार करोड़ से ज्यादा की राशि दी है, जबकि कांग्रेस की मनमोहन सरकार ने छत्तीसगढ़ को प्रति पांच वर्ष में लगभग 30 से 35 हजार करोड़ ही मिलते थे। इस प्रकार मोदी सरकार 5 गुना ज्यादा राशि राज्य को दे रही है।

हिंदुओं से घृणा करते हैं मुख्यमंत्रीः भाजपा

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सांसद अरुण साव ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से माफी मांगने की मांग करते हुए कहा है कि बजरंगबली और भगवा पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का जो बयान आया है, वह निंदनीय है। इसकी जितनी भी निंदा की जाए, वह कम है। उन्हें यह अहसास ही नहीं है कि वे एक राज्य के मुख्यमंत्री हैं और उन्हें हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को आहत करने का न तो कोई अधिकार है और न ही एक मुख्यमंत्री को ऐसा अमर्यादित आचरण शोभा देता।विचित्र बात है कि भूपेश बघेल अपने पद की गरिमा को चार साल बाद भी समझ नहीं पा रहे।आरंभ में लगता था कि 15 साल तक राजनीतिक वनवास भोगने अभिशप्त रही कांग्रेस के नेता कुछ समय में पद की जिम्मेदारी के अनुरूप व्यवहार करना सीख जायेंगे किंतु ऐसे लक्षण अब भी नहीं दिख रहे। वे अपनी विफलताओं और जन आक्रोश से इतने विचलित हैं कि मर्यादा भूल गए है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कौन गुंडई कर रहे हैं, छत्तीसगढ़ को कौन लूट रहा है और किसके संरक्षण में धर्मांतरण हो रहा है, यह आज छत्तीसगढ़ की जनता भली भांति जान रही है। यह भूपेश बघेल की हिंदू विरोधी मानसिकता है और यह दर्शाता है कि वह हिंदुत्व और हिंदुओं से कितनी घृणा करते हैं। भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ की जनता से माफी मांगें और भविष्य में इस तरह की पुनरावृत्ति नहीं होगी, यह वचन दें तथा उस वचन को निभाएं। उन्होंने जनता से किये वादे तो पूरे नहीं किये। कम से कम तुष्टिकरण की खातिर हिंदुत्व का अपमान न करने का वचन देकर उसे पूरा कर दें।

सिंहदेव की व्यथा बता रही कांग्रेस में भगदड़ मचेगीः चंदेल

छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने वरिष्ठ मंत्री टीएस सिंहदेव के बयान के हवाले से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और कांग्रेस पर बड़ा हमला बोला है। श्री चंदेल ने कहा कि सरगुजा के सूरजपुर में वरिष्ठ मंत्री श्री सिंहदेव ने व्यथित होकर कहा है कि उन्हें चुनाव के पहले अपने भविष्य को लेकर बड़ा फैसला लेना पड़ेगा। यह इस बात का संकेत है कि छत्तीसगढ़ में एकला चलो की नीति चल रही है। सरकार में कोई टीमवर्क नहीं है। इसके पहले भी सरकार के वरिष्ठ मंत्री ने सरकार के कामकाज की खुले तौर पर आलोचना की। जो इस बात का द्योतक है कि स्थिति क्या है। टीएस सिंहदेव घोषणा पत्र समिति के संयोजक थे और वे राज्य में जहां भी जा रहे हैं, उनसे जनता वादों को पूरा न करने का जवाब मांग रही है। जिससे वे व्यथित हैं। श्री सिंहदेव के बयान से यह स्पष्ट हो गया है कि कांग्रेस में क्या पक रहा है।

नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा कि कांग्रेस में चल रहे सत्ता संघर्ष के कारण प्रदेश की जनता के हित प्रभावित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल न स्वयं कोई काम कर रहे हैं और न ही श्री सिंहदेव को करने दे रहे हैं। 4 साल का इतिहास साक्षी है कि सिंहदेव जी को किस तरह उपेक्षित किया गया है। उनके विभागीय कामकाज प्रभावित किए गए हैं। जिससे दुखी होकर ही उन्होंने पंचायत जैसा महत्वपूर्ण विभाग मुख्यमंत्री को लौटा दिया। पंचायत विभाग छोड़ते समय श्री सिंहदेव ने सारी बातें इतने स्पष्ट तौर पर सार्वजनिक की हैं कि भूपेश बघेल सरकार के अंतः पुर की कलह सामने आने के साथ-साथ यह भी जनता को पता चल गया कि मुख्यमंत्री ने पंचायत मंत्री के साथ जो व्यवहार किया, उससे छत्तीसगढ़ की जनता के हित प्रभावित हुए। गरीबों को प्रधानमंत्री आवास नहीं मिल सके।

रबी फसल को पानी नहीं देने के विरोध में चक्का जाम

धमतरी जिले के चारों बाँध में लबालब पानी होने के बावजूद किसानों को रबी फसल के लिए पानी नहीं देने के विरोध में पूर्व मंत्री व कुरुद विधायक अजय चंद्राकर की अगुवाई में सैकड़ों भाजपाईयों ने नेशनल हाइवे पर घंटों चक्काजाम किया।

मंगलवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत NH 30 में सांधा चौक के पास सैकड़ों कार्यकर्ताओं सडक़ पर बैठ चक्काजाम कर दिया। कुरूद के अलावा धमतरी, भखारा, मगरलोड, नगरी से आए भाजपा नेता पानी बिजली, कानून व्यवस्था के लिए भूपेश सरकार पर हमला बोलते रहे।

कुरूद विधायक अजय चंद्राकर ने कहा की भूपेश बघेल की सरकार अवैध वसूली की सरकार है इसे जनता की परवाह नही है पूरे बांध इस वर्ष अच्छी वर्षा के चलते लबालब भरे हुए है। बावजूद अपने आप को किसानों की हितैषी कहने वाली कांग्रेस सरकार रबी फसल के लिए पानी देने लिए अलग-अलग बहाने बना रही है।

भूपेश सरकार छत्तीसगढ़ के लिए एक त्रासदी साबित हुईः चंदेल

छत्तीसगढ़ विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने बेरोजगारी पर सामने आये राष्ट्रीय सर्वे में राज्य की स्थिति के संदर्भ में कहा है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के फर्जी आंकड़ों की पोल खुल गई है। उनकी आंकड़ेबाजी का ढोल फूट गया है। देश के 19 राज्यों में 5 प्रतिशत तक बेरोजगारी घटी है अर्थात रोजगार बढ़ा है लेकिन छत्तीसगढ़ में रोजगार घटे हैं और बेरोजगारी बढ़ी है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सार्वजनिक रूप से झूठ बोलते हैं कि 4 साल में 5 लाख नौकरी दे दी किंतु विधानसभा में ऐसा दावा करने की हिम्मत नहीं दिखाते। वहां उनका झूठशास्त्र उनके बैग से बाहर नहीं निकलता। नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में रोजगार घट रहा है, बेरोजगारी बढ़ रही है और मुख्यमंत्री बेरोजगारी खत्म होने का ढिंढोरा पीटते हैं। एक तरफ देश में रोजगार बढ़ रहे हैं, दूसरी तरफ छत्तीसगढ़ में रोजगार घट रहे हैं। देश विकास कर रहा है, छत्तीसगढ़ पिछड़ रहा है। देश आर्थिक महाशक्ति बन गया है और कांग्रेस सरकार की कुनीतियों के कारण छत्तीसगढ़ कर्ज के बोझ तले दबे गया है। नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में रोजगार इसलिए घटा है और बेरोजगारी बढ़ी है क्योंकि युवा पीढ़ी को रोजगार नसीब नहीं है।

धर्मांतरण की ठेकेदार सरकार विरोधियों पर कर रही अत्याचार

प्रदेश भाजपा महामंत्री ओपी चौधरी ने धर्मांतरण के विरुद्ध संघर्ष कर रहे युवक ललित यादव की लैलूंगा में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत पर छत्तीसगढ़ सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए युवक के परिवार को 50 लाख रुपए का मुआवजा देने की मांग की। प्रदेश भाजपा महामंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार लगातार मतांतरण करवा रही है। मतांतरण कराने वालों को संरक्षण दे रही है। मतांतरण का विरोध करने वालों को प्रताड़ित कर रही है। झूठे मामलों में फंसा रही है। भाजपा की मांग है कि इस मामले की सीबीआई जांच या न्यायिक जांच की जाना चाहिए।

इंडिया टुडे के सर्वे में थर्ड क्लास साबित हुई भूपेश सरकारः भाजपा

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक ने इंडिया टुडे के सर्वे के नतीजों में कुल 20 बड़े राज्यों में छत्तीसगढ़ के 16वें स्थान पर इसे छत्तीसगढ़ की बदहाली का सबसे बड़ा प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार का दावा यह रहता है कि विश्व में अगर कोई सबसे अच्छी सरकार चल रही है तो वह भूपेश सरकार है जबकि वह अपने ही देश के राज्यों में सबसे फिसड्डी साबित हुई है। श्री कौशिक ने बताया कि छत्तीसगढ़ को कुल 2080 अंकों में मात्र 899.7 अंक ही मिले, जो कि 43 प्रतिशत होता है वे यानी अपनी भाषा में कहे तो यह सरकार लोवेस्ट थर्ड डिवीजन में चल रही है। छत्तीसगढ़ 20 राज्यों में इकानॉमी के मामले में 17वें, इंफ्रास्ट्रक्चर के मामले में 18वें, हेल्थ के मामले में 15 वें गवर्नेंस के मामले में 7 वें, शिक्षा मामले में 9वें, कानून व्यवस्था में 11 वें इंक्लूसिव डेवलपमेंट मे 10 वें एंटरप्रेन्योरशिप में 16 वें टूरिज्म में 19वें और एग्रीकल्चर में 19 वें स्थान पर है।

छत्तीसगढ़ियों की खुशी और तरक्की से खुश नहीं होते कांग्रेसी : केदार गुप्ता

भाजपा प्रवक्ता केदार गुप्ता ने छत्तीसगढ़ को वंदे भारत ट्रेन की सौगात देने पर देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी जी को धन्यवाद देते हुए कहा कि कांग्रेसियों ने बता दिया कि छत्तीसगढ़ के विकास से उन्हें कोई सरोकार नहीं है वह कभी छत्तीसगढ़ की तरक्की व छत्तीसगढ़ वासियों की खुशी में शामिल नहीं हो सकते। उन्हें छत्तीसगढ़ का विकास सिर्फ दलगत चश्मे से देखना आता है।

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने छत्तीसगढ़ को देश के छठवें वंदे भारत ट्रेन के रूप में एक सौगात दी इससे बिलासपुर से नागपुर के बीच न केवल आवागमन सुलभ होगा अपितु छत्तीसगढ़ में व्यापार के अवसर भी बढ़ेंगे। केदार गुप्ता ने कहा पूरी तरह देश में निर्मित वंदे भारत ट्रेन के परिचालन का किसी भी कांग्रेसी नेता,मंत्री ने कहीं स्वागत नहीं किया। यह छत्तीसगढ़ के विकास की दुहाई देने वाले कांग्रेसियों की संकीर्ण मानसिकता बताता है।

भाजपा प्रवक्ता केदार गुप्ता ने कहा माननीय नरेंद्र मोदी जी द्वारा छत्तीसगढ़ के गरीब लोगों के दिए 18 लाख प्रधानमंत्री आवास कांग्रेसियों की भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गए। कोरोना काल में गरीबों को संबल देने के लिए प्रारंभ किए हुए गरीब कल्याण योजना का चावल तक कांग्रेस सरकार पचा गई। वंदे भारत ट्रेन में उन्हें भ्रष्टाचार का कोई मौका नहीं मिला इसलिए उन्होंने इसका स्वागत न कर छत्तीसगढ़ वासियों का अपमान किया है। ●●●

निवेदन

दीप कमल से संबंधित कोई भी सुझाव या शिकायत हो तो आप नीचे दिए गए पते पर भेज सकते हैं या WhatsApp कर सकते हैं। फोन से भी जानकारी दे सकते हैं। ईमेल भी कर सकते हैं। इसके अलावा आपके क्षेत्र में संगठन से संबंधित कोई गतिविधि या पत्रिका में प्रकाशन योग्य कोई समाचार हो, तो उसे भी निम्नलिखित माध्यमों से भेजने का आग्रह है।

कार्यकारी संपादक, दीप कमल, प्रदेश भाजपा कार्यालय, कुशाभाऊ ठाकरे परिसर
डूमरतराई, रायपुर। (छग), फोन : 0771-2233500, WhatsApp 9425507006, E mail – jay7feb@gmail.com

अटलजी की जयंती 'सुशासन दिवस' पर पूरे प्रदेश के बूथों में कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस अवसर पर अलग-अलग बूथों पर कार्यकर्ताओं के साथ मोदीजी के 'मन की बात' सुनते क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री अजय जम्वाल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री अरुण साव, नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल।

RNI No.CHHHIN/2004/13926

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो के आपत्तिजनक बयान के विरोध में भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदेशभर में भुट्टो का पुतला दहन किया गया।

गुजरात में नव निर्वाचित मुख्यमंत्री व मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने छ.ग. विधान सभा के नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल गुजरात गये थे। शपथ ग्रहण कार्यक्रम के उपरांत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मा. श्री नरेन्द्र मोदी जी से कार्यक्रम स्थल पर सौजन्य भेट हुई। इस अवसर पर प्रदेश प्रभारी श्री ओ. पी. माथुर भी उपस्थित थे।